संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

दैनिक घटती घटना

Www.ghatatighatana.com
Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 244 रविवार 06 जुलाई 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

लालू यादव एक बार फिर बने राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष

» 13 वीं बार संभालेंगे कमान

पटना,05 जुलाई 2025(ए)। एक बार फिर लालू यादव राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बन गए हैं। उनका नया कार्यकाल 2028 तक का होगा। लालू यादव 13वीं बार राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। उन्हें पार्टी नेताओं ने प्रमाण पत्र और पुष्प गुच्छ देकर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने की बधाई दी।

रामगढ़ में कोयला खदान धंसने से 3 की मौत,5 अब भी फंसे

रामगढ़ (झारखंड),05 जुलाई 2025(ए)। झारखंड के रामगढ़ में दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां एक कोयला खदान के धंसने से तीन लोगों की मौत हो गई है। मिली जानकारी के अनुसार, कोयला खदान में अभी भी 5 लोग फंसे हुए हैं। फंसे हुए लोगों को बचाने का काम किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि सीसीएल ने यहां कोयला खदान का काम बंद कर दिया था, इसके बावजूद 10 लोग कोयला खदान में काम कर रहे थे।

पटना में भाजपा नेता गोपाल खेमका की हत्या

बाइक सवार अज्ञात हमलावरों ने मारी गोली

पटना,05 जुलाई 2025(ए)। बिहार की राजधानी पटना में एक बार फिर बढ़ते अपराध और पुलिस का खत्म होते डर की घटना सामने आई है। यहां पर बीते शुक्रवार की रात को जाने-माने व्यवसायी और भाजपा नेता गोपाल खेमका की गोली मारकर बेरहमी से हत्या कर दी गई।यह घटना शुक्रवार रात 11.40 बजे हुई जब वे पटना के गांधी मैदान स्थित अपने आवास पर कार से उतर रहे थे, तभी बाइक सवार अज्ञात बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। गोली लगने से खेमका गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया पर जांच के बाद डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अभी 40 साल और जिंदा रहूंगा

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025(ए)। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लगाते हुए शनिवार को कहा कि

उन्हें (बोधिसत्व करुणा) का आशीर्वाद प्राप्त है और वह आने वाले 30 से 40 वर्षों तक और जीवित रहकर जनकल्याण का कार्य करना चाहते हैं। दलाई लामा तेनजिन ग्यात्सो ने रविवार को मनाई जाने वाली अपनी 90वीं जयंती से पहले मुख्य मंदिर त्सुगलाखांग,मैक्लोडगंज में आयोजित दीर्घायु प्रार्थना समारोह के दौरान यह बात कही।

20 साल बाद मंच पर राज-उद्धव दिखे साथ

भाषा विवाद पर कहा-आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े...

» क्या अब उनके हिंदुत्व पर भी उठेगा सवाल ?

मुंबई,05 जुलाई 2025(ए)। महाराष्ट्र की राजनीति में एक बार फिर उबाल है। दो दशकों बाद राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे एक ही मंच पर नजर आए और एक सुर में भाजपा पर हमला बोला। अवसर था 'आवाज मराठीचा' नामक एक विशाल रैली का,जहां महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे ने केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने के आरोपों को लेकर तीखा सवाल दागा। राज ठाकरे ने कहा, लालकृष्ण आडवाणी मिशनरी स्कूल में पढ़े थे। क्या इससे उनके हिंदुत्व पर शक किया जा सकता है? उन्होंने यह टिप्पणी भाजपा पर कटाक्ष करते हुए की, जो मौजूदा समय में हिंदी भाषा को अनिवार्य बनाने को लेकर विवादों में है।

हिंदी भाषा विवाद क्या है ?

यह पूरा विवाद तब शुरू हुआ जब महाराष्ट्र की महायुति सरकार ने एक आदेश जारी कर कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए हिंदी को अनिवार्य तीसरी भाषा के रूप में लागू करने की घोषणा की। 16 अप्रैल को जारी इस आदेश के बाद तीखी प्रतिक्रिया सामने आई, जिसके बाद 17 जून को सरकार को अपने निर्णय में बदलाव करते हुए हिंदी को वैकल्पिक भाषा बनाना पड़ा। राज ठाकरे ने इस फैसले को मराठी अस्मिता पर हमला बताया और कहा कि भाषा थोपने की राजनीति बंद होनी चाहिए। महाराष्ट्र में मराठी का स्थान सर्वोपरि है और रहेगा।

20 साल बाद ठाकरे बंधु एक मंच पर

इस रैली की सबसे खास बात यह रही कि करीब 20 सालों के सियासी मतभेदों के बाद ठाकरे बंधु राज और उद्धव एक मंच पर आए। यह दृश्य न केवल राजनीतिक दृष्टि से ऐतिहासिक रहा, बल्कि आने वाले मुंबई नगर निगम चुनावों में मनसे और शिवसेना (उद्धव गुट) की संभावित साझेदारी की अटकलों को भी बल मिला है। दोनों नेताओं ने भाजपा पर आक्रामक हमला बोलते हुए इसे संविधान, संस्कृति और भाषाई विविधता के खिलाफ बताया।

हिंदुत्व पर उठते सवालों का दिया जवाब

राज ठाकरे ने मंच से साफ कहा कि भाषा का संबंध किसी की आस्था या राष्ट्रभक्ति से नहीं जोड़ा जा सकता। मेरे पिता और चाचा अंग्रेजी माध्यम से पढ़े थे। शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे ने भी अंग्रेजी स्कूल में पढ़ाई की थी और एक अंग्रेजी अखबार में काम किया था, लेकिन उन्होंने मराठी अस्मिता से कभी समझौता नहीं किया। क्या हम उनके हिंदुत्व पर सवाल उठा सकते हैं?राज ने यह भी याद दिलाया कि आडवाणी जी ने कराची के सेंट पैट्रिक्स स्कूल में पढ़ाई की थी, जो एक मिशनरी संस्थान है। क्या भाजपा अब उनके हिंदुत्व पर भी उंगली उठाएगी?

मुआवजे के बदले धमकी दे रही एयर इंडिया

मृतकों के परिवार वालों ने लगाए गंभीर आरोप...

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025(ए)। अहमदाबाद में हुए एयर इंडिया-171 विमान हादसे को कई हफ्ते बीत चुके हैं, इस दर्दनाक हादसे में 241 यात्रियों के साथ कुल 260 लोगों की मौत हो गई थी। अब इसे लेकर विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों ने आरोप लगाया है कि एयर इंडिया ने त्रासदी के बाद शुरुआती दिनों में मुआवजा निपटान प्रक्रिया को लेकर उन पर दबाव डाला। परिवारों ने आरोप लगाया है कि एयर इंडिया ने उन्हें धमकी दी है कि अगर वे प्रश्नावली फॉर्म भरने में विफल रहे तो उन्हें कोई मुआवज़ा नहीं दिया जाएगा। प्रश्नावली फॉर्म में बहुत सारी कानूनी बातें हैं। वकीलों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी के लिए इसे समझना मुश्किल है। परिवारों ने आरोप लगाया है कि उन्होंने उन्हें

मृतकों पर अपनी वित्तीय निर्भरता का खुलासा करने के लिए मजबूर किया है। यह आरोप ऐसे समय में आया है जब ऐसी खबरें आ रही हैं कि दुर्घटना में मारे गए ब्रिटिश नागरिकों के परिवार एयर इंडिया और बोइंग पर मुआवज़े के लिए मुकदमा करने पर विचार कर रहे हैं। ब्रिटिश कानूनी फर्म स्टीवर्ट्स के विमानन वकील पीटर नीनान ने कहा कि एयरलाइन पीड़ितों के परिवारों को कम मुआवजा देकर कम से कम 100 मिलियन पाउंड बचा सकती है। उन्होंने बताया कि परिवारों को अत्यधिक गर्मी वाले भीड़ भरे अंधेरे कमरों में रखा गया था तथा उनसे उनकी वित्तीय जानकारी के बारे में दस्तावेज और जटिल प्रश्नावली भरने को कहा गया था।

एयर इंडिया ने शुक्रवार को उन आरोपों से इनकार किया कि अहमदाबाद में एयर इंडिया विमान दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को मिलने वाले मुआवजे में कटौती करने के लिए उसे मृतकों पर वित्तीय निर्भरता का खुलासा करने वाले दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए मजबूर किया गया था। एक बयान में एयर इंडिया ने इस दावे को निराधार और गलत बताया तथा कहा कि इस तरह के खुलासे एक मानक प्रक्रिया का हिस्सा हैं जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पात्र लाभार्थियों को अंतरिम मुआवजा मिले।

पाक पीएम शहबाज का भारत विरोधी नया झूठा प्रोपेगंडा

» पहलगाम हमले को लेकर दिया शर्मनाक बयान

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025(ए)। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने एक बार फिर कश्मीर मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय मंच पर उठाकर भारत पर झूठे और बेबुनियाद आरोप लगाए हैं। पहलगाम में हुए आतंकी हमले, जिसे पाक समर्थित आतंकी संगठन टीआरएफ ने अंजाम दिया था,को उन्होंने दुर्भाग्यपूर्ण कहकर भारत की जवाबी कार्रवाई को ही दोषी ठहराने की कोशिश की है।

भगवान राम से जुड़े 30 से अधिक तीर्थस्थलों के लिए स्पेशल ट्रेनें

अयोध्या,05 जुलाई 2025(ए)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की लोकप्रियता के मद्देनजर भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम 25 जुलाई 2025 से श्रीरामायण यात्रा के नाम से अपनी पांचवीं विशेष ट्रेन यात्रा शुरू करने जा रहा है। यह यात्रा 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिये आयोजित समारोह के बाद से शुरू हुई श्रृंखला का हिस्सा है। आईआरसीटीसी के अनुसार, 'श्री रामायण यात्रा', 25 जुलाई 2025 से शुरू होगी और इसमें भगवान राम से जुड़े 30 से अधिक स्थलों को शामिल किया जाएगा। यात्रा की शुरुआत अयोध्या से होगी और इसके बाद नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, वाराणसी,प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, हम्पी और अंत में दक्षिण भारत के रामेश्वरम द्वीप तक जाएगी। इसके बाद यह यात्रा दिल्ली लौटकर समाप्त होगी।

अयोध्या से होगी यात्रा की शुरुआत

यात्रा की शुरुआत अयोध्या से होगी, जहां श्रद्धालु श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, हनुमानगढ़ी और राम की पैड़ी (सरयू घाट) का दर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद नंदीग्राम स्थित भारत मंदिर का भ्रमण किया जाएगा। अधिकारी ने बताया कि अगला पड़ाव बिहार का सीतामढ़ी होगा, जहां यात्री सीता जी के जन्मस्थान और नेपाल के जनकपुर स्थित राम जानकी मंदिर का दर्शन करेंगे।

सड़क मार्ग से कराई जाएगी चित्रकूट की यात्रा

इसके बाद बक्सर में रामरेखा घाट और रामेश्वरनाथ मंदिर, वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, तुलसी मंदिर, संकट मोचन मंदिर का दर्शन कराया जाएगा और लोग गंगा आरती भी देखेंगे। आईआरसीटीसी ने कहा कि इसके बाद यात्रियों को प्रयाग, श्रृंगवेरपुर और चित्रकूट की यात्रा सड़क मार्ग से कराई जाएगी, जिसमें रात्रि विश्राम की भी व्यवस्था होगी।

महाराष्ट्र के इन धार्मिक स्थलों में जाएगी ये ट्रेन

आईआरसीटीसी ने कहा कि इसके बाद ट्रेन महाराष्ट्र के नासिक पहुंचेगी, जहां त्र्यंबकेश्वर मंदिर और पंचवटी क्षेत्र का दर्शन कराया जाएगा। इसके बाद हम्पी में अंजनाद्री पर्वत (हनुमान जी का जन्मस्थान), विठ्ठल और विरुपाक्ष मंदिरों का भ्रमण कराया जाएगा। ट्रेन यात्रा का अंतिम पड़ाव रामेश्वरम होगा, जहां रामनाथस्वामी मंदिर और धनुषकोडी शामिल हैं। यात्रा 17वें दिन दिल्ली लौटकर समाप्त होगी।

धन सिमट रहा चंद हाथों में

गांव और गरीब छूट रहे पीछे,नितिन गडकरी का बड़ा बयान

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025 (ए)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने हाल ही में नागपुर में एक कार्यक्रम के दौरान देश में बढ़ती आर्थिक असमानता को लेकर गहरी चिंता जताई। उन्होंने कहा कि धीरे-धीरे देश में गरीबों की संख्या बढ़ रही है और धन केवल कुछ अमीर लोगों के हाथों में सिमटता जा रहा है,जो बेहद चिंताजनक स्थिति है। गडकरी ने जोर देकर कहा कि अर्थव्यवस्था को इस तरह से विकसित करने की आवश्यकता है जिससे रोजगार के अधिक अवसर पैदा हों और ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास हो सके।

पीएनबी घोटाले के आरोपी नीरव मोदी का भाई अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025(ए)। पीएनबी घोटाले के आरोपी नीरव मोदी के भाई निहाल मोदी को अमेरिका में गिरफ्तार कर लिया गया है। निहाल मोदी की गिरफ्तारी भारत सरकार के प्रत्यर्पण अनुरोध के तहत हुई है। अब अमेरिका में उनके प्रत्यर्पण की कार्यवाही शुरू हो गई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने निहाल के प्रत्यर्पण की अपील की थी।

बाढ़ में 72 लोगों की मौत,31 लापता

शिमला,05 जुलाई 2025(ए)। हिमाचल प्रदेश में बीते कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण 260 से अधिक सड़कें बंद हैं, जिनमें से 176 अवरुद्ध सड़कें अकेले मंडी जिले में हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। स्थानीय मौसम विभाग ने रविवार को कांगड़ा, सिरमौर और मंडी जिलों के कुछ स्थानों पर अत्याधिक बारिश की आशंका जताते हुए 'रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, चंबा, सोलन, शिमला और कुल्लू जिलों के कुछ क्षेत्रों में भारी से बहुत बारिश की आशंका के मद्देनजर 'ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

गुना के वकीलों का आक्रोश सड़क पर फूटा

» वकीलों ने कुत्ते को बनाया कलेक्टर

» बात करने आए एडीएम को भगाया

गुना,05 जुलाई 2025(ए)। विरोध कर रहे वकीनों ने कुत्ते को ही कलेक्टर बना दिया। सुनने में थोड़ा अजीब लग रहा होगा,लेकिन ऐसा ही एक प्रदर्शन मध्यप्रदेश के गुना में हुआ है। वकीलों ने सड़क पर घूम रहे एक कुत्ते को 'कलेक्टर'लिखकर पट्टा पहनाकर घुमाया। चक्काजाम प्रदर्शन करते हुए कलेक्टर को भूमाफियाओं की कठपुतली बताया। करीब 2 घंटे तक जाम लग रहा। जिला कलेक्टर की जगह एडीएम वकीलों से बात करने

पहुंचे नाराज वकीलों ने उनसे बात करने से मना कर दिया।

जानकारी के अनुसार कोर्ट परिसर को जगनपुर शिफ्ट करने के विरोध में गुना के वकीलों का आक्रोश सड़क पर फूट पड़ा। न्यायिक व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाते हुए वकीलों ने कलेक्टर डॉ. जितेंद्र सिंह से मुलाकात के लिए कलेक्ट्रेट का रुख किया, लेकिन जब निर्धारित समय पर भी कलेक्टर ने ज्ञापन लेने की ज़हमत नहीं उठाई, तो विरोध का तरीका असाधारण और प्रतीकात्मक हो गया। विरोध कर रहे वकीलों ने कलेक्टर के व्यवहार से नाराज होकर हनुमान चौराहे पर चक्काजाम किया और कलेक्टर गुना लिखी तख्ती एक कुत्ते के गले में लटकाकर उसे चौराहे पर घुमाया। आखिरकार श्वान को सांकेतिक रूप से ज्ञापन सौंपकर उन्होंने विरोध को विराम दिया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष भूपनारायण सोलंकी ने आरोप लगाया कि कोर्ट को जगनपुर शिफ्ट करने की योजना भू-माफियाओं के इशारे पर बनाई गई है। उनका दावा है कि अदालत की बेशकीमती जमीन पर कब्जा करने की साजिश के तहत ये कदम उठाया जा रहा है,जैसा पहले आरटीओ कार्यालय की जमीन के साथ हुआ। सोलंकी ने कहा कि जगनपुर में खरीदी गई सस्ती जमीनें अब सरकारी दफ्तरों के ज़रिए बेशकीमती बनाई जा रही हैं। कोर्ट परिसर के साथ-साथ न्यायाधीशों के बंगले भी शिफ्ट होंगे, जिससे करोड़ों की सरकारी राशि व्यर्थ होगी।

कोलकाता एयरपोर्ट फ्लाइट में तकनीकी खराबी, 130 यात्री फंसे

कोलकाता,05 जुलाई 2025(ए)। इन दिनों फ्लाइट को लेकर तमाम तरह की परेशानी सामने आ रही है और लोग फ्लाइट से यात्रा करने में घबड़ाने भी लगे हैं। अगर महानगर कोलकाता की घटना का उल्लेख करे तो थाई लायन एयर की बैंकॉक जाने वाली बोइंग 737-800 विमान को तकनीकी खराबी के कारण कोलकाता एयरपोर्ट पर रद्द कर दिया गया। इसके चलते विमान में सवार करीब 130 यात्रियों को होटल में ठहराया गया है।

संपादकीय

पाकिस्तान की चाल फिर विफल

शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में भारत ने पाकिस्तान को एक बार फिर बेनकाब करते हुए भारत पर ही आरोप मढने् की उसकी चाल को विफल कर डाला। आतंकवाद के खिलाफ अपने कड़े रुख पर कायम रहते हुए भारत ने पहलगाम आतंकी हमले को नजरअंदाज करने और सीमा पार से होने वाले पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद के प्रति भारत कीचिंताओं को अनदेखा करने पर शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संयुक्त वक्तव्य पर हस्ताक्षर करने से इनकार कर दिया।एससीओ रक्षा मंत्रियों के सम्मेलन में रक्षा मंत्री राजनाथसिंह ने पहलगाम आतंकी हमले को वक्तव्य में शामिल करने की मांग की,जबकि पाकिस्तानी पक्ष ने बलूचिस्तान में चरमपंथी गतिविधियों पर टिप्पणी डलवाने पर जोर दिया, जो साफ-साफ भारत पर आरोप मढने् का प्रयास था।पाकिस्तान की इस हरकत के कारण सम्मेलन संयुक्त वक्तव्य के बिना ही समाप्त हो गया। वक्तव्य के मसौदे में पहलगाम आतंकी हमले का जिक्र ही नहीं था और न ही सीमा पार से होने वाले आतंकवाद पर भारत के रुख को दर्शाया गया था। ये सारी चालें सम्मेलन के अत्यंत महत्त्वपूर्ण मुद्दे पर भारत के रुख को कमजोर करने के लिए चली जा रही थी,मामले को भांपते ही रक्षामंत्री ने पाक के धुर्रे उड़ा दिए। राजनाथ ने आतंकवाद का प्रायोजक ठहराते हुए जवाबदेह ठहराने की अपील की। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर' को रेखांकित करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड रखने वालों के खिलाफ एससीओ को भी भारत जैसी कड़ी नीति अपनानी चाहिए। अब आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई का वक्त आ गया है।आतंकवाद को प्रायोजित,पोषित और अपने संकीर्ण और निहित उद्देश्यों के लिए इसका इस्तेमाल करने वालों को परिणाम भुगतने ही होंगे। ऑपरेशन सिंदूर इसकी शुरुआत थी जिसके तहत भारत ने आतंकवाद से बचाव तथा सीमा पार से होने वाले हमलों को रोकने के अपने अधिकार का प्रयोग किया।आपरेशन से आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की भारत की नीति उसकी कार्रवाइयों के माध्यम से प्रदर्शित हुई है। भारत के इन प्रयासों को एससीओ के सदस्य देशों से निसंकोच भरपूर सहयोग और समर्थन मिलना ही चाहिए। दुनिया के इस भूभाग में इसी से शांति और विकास का मार्ग प्रशस्त होगा तथा संगठन का उद्देश्य सार्थक हो सकेगा।

बारिश का कहर

प्रकृति का विक्षोभ या विकास की विफलता

ललित गर्ग
पटपड़गंज,न्यू दिल्ली-92

बीते कुछ वर्षों में पहाड़ों में बारिश एवं बादल फटना अब डर, कहर और तबाही का पर्याय बन गई है। उत्तराखंड,हिमाचल प्रदेश, सिक्किम,और पूर्वोत्तर के अन्य पहाड़ी राज्यों में हर वर्ष मानसून के साथ भयावह भूस्खलन,बादल फटना,पुल बहना और सड़कें टूटना एक आम दृश्य बन गया है। यह केवल प्राकृतिक आपदा नहीं है, बल्कि एक व्यवस्थागत विफलता, सरकारी निर्माण की लापरवाही और अनियोजित विकास की पोल खोलने वाला यथार्थ है। निश्चय ही हाल के वर्षों में बारिश के पैटर्न में बदलाव आया है और बारिश की तीव्रता बढ़ी है। हर वर्ष जब मानसून की पहली बारिश पहाड़ों को भिगोती है,तो स्थानीय जनजीवन एक नई उम्मीद के साथ खिल उठता है। खेतों में हरियाली,नदियों में जल, और प्रकृति की शीतलता-मानसून एक उत्सव जैसा लगता है। लेकिन हालिया मानसूनी बारिश और मौसमी विक्षोभ की जुगलबंदी से हिमाचल के कई इलाकों में तबाही का जो भयावह मंजर उभरा, उसे हमें कुदरत के सबक के तौर पर देखना चाहिए। बड़ी संख्या में लोगों की मौत व लापता होने के साथ ही अरबों रुपये की निजी व सार्वजनिक संपत्ति का नुकसान हुआ है। 2023 और 2024 के मानसून ने हिमाचल और उत्तराखंड जैसे राज्यों में जो कहर बरपाया, वह केवल आँकड़ों में सीमित नहीं है। दर्जनों लोग मारे गए,सैकड़ों मकान जमींदोज़ हो गए,हजारों लोग बेघर हुए। हाइड्रो प्रोजेक्ट्स,सड़कों, सुरंगों और इमारतों के निर्माण ने जिस तरह से पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना के साथ छेड़छाड़ की, वह अब प्रकृति के प्रतिशोध का कारण बन रही है। उत्तराखंड में 'ऑल वेदर रोड', हिमाचल में सुरंगें और जल विद्युत परियोजनाएं-इन सभी ने विकास के नाम पर जिस प्रकार अंधाधुंध खुदाई और कटान किए हैं, उससे पर्वतीय क्षेत्र अपनी स्थायित्व खोते जा रहे हैं। वैज्ञानिक चेतावनियों के बावजूद कई निर्माण कार्यों में भूगर्भीय सर्वेक्षण की अनदेखी की गई। नतीजा यह हुआ कि हल्की-सी भारी बारिश में ही सड़कें धंस जाती हैं,इमारतें दरकने लगती हैं, और पूरा गाँव मलबे में दब जाता है। वास्तव,पहाड़ी इलाकों में अतिवृष्टि से आपदा का जो भयावह मंजर उभर रहा है, उसके मूल में सिर्फ जलवायु परिवर्तन ही मुख्य कारक नहीं है। दरअसल, इस तबाही के मूल में हमारी नाजुक हिमालयी पारिस्थिकीय तंत्र के प्रति बड़ी लापरवाही भी है। इस तथाकथित विकास के नाम पर हमने उन सीढ़ीनुमा रास्तों को दरकिनार कर दिया, जो पहाड़ों को मजबूती देते थे। पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन कोई नई बात नहीं है, लेकिन हाल के वर्षों में इनकी तीव्रता और आवृत्ति में ज़बरदस्त वृद्धि देखी गई है। इसकी मुख्य वजहें हैं-अनियंत्रित पहाडों की कटिंग और खुदाई, बढ़ता भारी वाहन यातायात, जल निकासी की अव्यवस्था एवं वन क्षेत्र का अत्याधिक क्षरण। सरकारी

निर्माण एजेंसियां अक्सर तय मानकों की अनदेखी करती हैं। निर्माण सामग्री घटिया होती है और मुनाफाखोरी के चक्कर में दीवारें और पुल बरसात में ताश के पत्तों की तरह ढह जाते हैं। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए),भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) और पर्यावरण वैज्ञानिक लगातार चेताते रहे हैं कि हिमालयी क्षेत्र बेहद संवेदनशील हैं। फिर भी,निर्माण कार्यों के लिए भू-सर्वेक्षण, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (ईआईए) और जनसुनवाई की प्रक्रियाओं को या तो टाल दिया जाता है या खानापूर्ति भर की जाती है। चार धाम यात्रा मार्ग पर बनने वाली सड़क परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार रोका और सुझाव दिए कि पहाड़ों को काटने की बजाय टनल या वैकल्पिक मार्ग बनाए जाएं,लेकिन ज़मीनी हकीकत इससे उलट है।
निश्चय ही पूरी दुनिया में ग्लोबल वॉर्मिंग के चलते मौसम के बिगड़े तेवर नजर आ रहे हैं,लेकिन पहाड़ों में जल-प्रलय सी आपदा का विनाश निश्चय ही भयावह है। वैज्ञानिकों को इस तथ्य पर गंभीरता से विचार करना चाहिए कि पहाड़ों में बादल फटने की घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि क्यों हुई है। इस साल की मानसूनी बारिश में मंडी जिले में बादल फटने की घटनाओं ने बुनियादी ढांचे,घरों,सड़कों और बगीचों को जिस तरह से नुकसान पहुंचाया है, उसने पहाड़ों में विकास के स्वरूप को लेकर फिर नये सिरे से बहस छेड़ दी है। राज्य के तमाम महत्वपूर्ण राजमार्ग भूस्खलन और अतिवृष्टि से बाधित रहे हैं। कांगड़ा घाटी में ऐतिहासिक रेल परिवहन को स्थगित करना पड़ा है। शिमला के पास एक बहुमंजिला इमारत के भरभरा कर गिरने के सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो ने भयभीत किया। जब बारिश आती है, तो केवल इमारतें और सड़कें नहीं ढहतीं,आम लोगों का जीवन भी उजड़ जाता है। लोग रातोंरात बेघर हो जाते हैं। स्कूल,अस्पताल,बिजली-पानी की सुविधाएं बंद हो जाती हैं। प्रशासनिक अमला अकसर घटनास्थल पर देर से पहुँचता है और राहत कार्यों में राजनीतिक रस्साकशी आड़े आ जाती है। राहत कैंपों में भोजन, शौचालय और दवाइयों की भारी कमी रहती है। जब किसी राज्य में बड़ी आपदा आती है, तभी मीडिया और नेताओं की नज़र जाती है। हेलिकॉप्टर से निरीक्षण,मुआवज़े की घोषणाएं,और 'हम साथ हैं' जैसे बयान आते हैं। लेकिन जैसे ही मौसम सामान्य होता है,पीड़ितों की सुध लेने वाला कोई नहीं रहता। लंबे समय तक पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्य अधर में लटकते हैं। निश्चय ही मौसम के मिजाज में तल्खी नजर आ रही है लेकिन इस संकट के मूल में कहीं न कहीं अवैज्ञानिक विकास,खराब आपदा प्रबंधन और निर्माण में पारिस्थितिकीय ज्ञान की उपेक्षा भी निहित है। जिसने इस संकट को और अधिक बढ़ाया है। दरअसल, पानी के प्रवाह के जो प्राकृतिक रास्ते थे, हमने उन पर बहुमंजिली इमारतें खड़ी कर दी हैं। हमने अपेक्षाकृत नयी हिमालयी पर्वतमालाओं पर इतना भारी-भरकम विकास व निर्माण लाद दिया कि वे इस बोझ को सहन नहीं कर पा रही हैं। निर्माण कार्य में स्थानीय पारंपरिक वास्तुकला और प्राकृतिक सामग्री का प्रयोग बढ़ाया जाए। भू-सर्वेक्षण और ईआईए को अनिवार्य किया जाए,हर निर्माण से पहले वैज्ञानिक स्तर पर ज़मीन की जाँच और पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन आवश्यक हो। वनों की अंधाधुंध कटाई को रोका जाए और जलग्रहण क्षेत्रों को पुर्नस्थापित किया जाए। गाँवों और कस्बों के स्थानीय लोगों को निर्णय प्रक्रिया में शामिल किया जाए ताकि निर्माण कार्य ज़मीनी ज़रूरतों और जोखिमों के अनुसार हो।
हिमालय को केवल भूगोल नहीं, अध्यात्म का स्रोत भी माना जाता है। यहाँ की नदियां,पहाड़ और घाटियां धार्मिक,सांस्कृतिक और भावनात्मक महत्व रखती हैं। जब इन स्थानों पर अंधाधुंध निर्माण होता है,तो केवल भू-आकृति नहीं, सांस्कृतिक चेतना भी नष्ट होती है। पर्वतीय जीवन में तबाही के पीछे केवल प्रकृति नहीं,हमारी नीति, नियत और विकास का वह मॉडल ज़िम्मेदार है जो केवल तात्कालिक लाभ और मुनाफे पर केंद्रित है। हम पहाड़ों को केवल पर्यटक स्थल या परियोजना-स्थल की दृष्टि से न देखें,बल्कि वहां के पर्यावरण, संस्कृति और जीवन पद्धति को समझें और संरक्षण का दायित्व लें। नहीं तो हर बारिश के साथ पहाड़ों से जीवन खिसकता जाएगा और एक दिन यह संकट केवल स्थानीय न रहकर राष्ट्रीय बन जाएगा। दरअसल,पहाड़ों की संवेदनशीलता को देखते हुए नये सिरे से निर्माण के मानक तय करने होंगे। वहीं दैनिक जल निकासी और बरसाती पानी के प्रवाह के लिये वैज्ञानिक ढंग से व्यवस्था करनी होगी। निश्चित रूप से पहाड़ों में लगातार बढ़ती जनसंख्या और बुनियादी ढांचे में पहाड़ की प्राथमिकताओं को नजरअंदाज करने की कीमत हम चुका रहे हैं। भविष्य में ऐसी आपदाओं को टालने के लिये अतीत के सबक सीखकर हमें विकास के नये मानक तय करने होंगे। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ,वैसे हादसें होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें,लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

अखिलेश की बदलती राजनीति,सावन में काशी से हिंदुत्व का दांव

संजय सक्सेना
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के लिए समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख अखिलेश यादव हर हाल में सत्ता में वापसी की जुगत में जुटे हैं। उत्तर प्रदेश की सियासत में सपा का आधार लंबे समय तक मुलायम सिंह यादव द्वारा स्थापित मुस्लिम-यादव (एम-वाई) समीकरण रहा है। इस समीकरण के सहारे मुलायम सिंह तीन बार और अखिलेश यादव एक बार मुख्यमंत्री बनने में सफल रहे। लेकिन 2014 के बाद से उत्तर प्रदेश की राजनीति में आए बदलाव ने सपा के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने हिंदुत्व की छतरी तले विभिन्न हिंदू जातियों को एकजुट करने में सफलता हासिल की है, जिसने सपा की परंपरागत रणनीति को कमजोर कर दिया है। अखिलेश यादव अब इस बदले सियासी परिदृश्य में अपनी पार्टी की छवि को नया रूप देने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की कोशिश में हैं। इसी कड़ी में सावन के पहले सोमवार, 14 जुलाई 2025 को,वे काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं, जिसे सियासी हलकों में सॉफ्ट हिंदुत्व के दांव के रूप में देखा जा रहा है।
उत्तर प्रदेश में सपा की राजनीति का आधार लंबे समय तक मुस्लिम और यादव वोटर रहे हैं। लेकिन बीजेपी ने सपा पर यादववाद और मुस्लिम तुष्टिकरण की छवि गढ़ने में सफलता हासिल की है, जिससे सपा का वोट आधार सीमित होता गया। अखिलेश यादव को इस बात का अहसास हो चुका है कि केवल एम-वाई समीकरण के सहारे बीजेपी को हराना अब संभव नहीं है। यही वजह है कि वे अपनी पार्टी की छवि को बदलने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की दिशा में कदम उठा रहे हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में अखिलेश ने पीडीए (पिछड़ा, दलित,अल्प संख्यक) फॉर्मूले के जरिए बीजेपी को कड़ी टक्कर दी थी। इस रणनीति ने सपा को कुछ हद तक सफलता दिलाई, लेकिन बीजेपी ने इसके बाद फिर से सपा के खिलाफ सियासी तानाबाना बुनना शुरू कर दिया है। ऐसे में अखिलेश अब सॉफ्ट हिंदुत्व के रास्ते पर चलते हुए सनातन धर्म के प्रतीकों को अपनाने की कोशिश कर रहे हैं।
सावन का महीना, जो 11 जुलाई 2025 से शुरू हो रहा है,धार्मिक दृष्टिकोण से उत्तर भारत में खास महत्व रखता है। इस दौरान लाखों भक्त हरिद्वार से गंगा जल लेकर कांवड़ यात्रा पर निकलते हैं और भगवान शिव के मंदिरों में जलाभिषेक करते हैं। काशी, जो भगवान शिव की नगरी के रूप में जानी जाती है,सावन में भक्तों के लिए एक प्रमुख तीर्थस्थल बन जाती है। खासकर सावन के सोमवार को बाबा विश्वनाथ मंदिर में भारी भीड़ उमड़ती है। इस बार सावन के पहले सोमवार को अखिलेश यादव काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करने जा रहे हैं। उनके साथ देशभर से लगभग 50 हजार यादव बंधु भी इस कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। यह आयोजन चंद्रवंशी गोप समिति के बैनर तले हो रहा है, जिसके प्रतिनिधिमंडल ने हाल ही में लखनऊ में अखिलेश से मुलाकात कर उन्हें इस धार्मिक आयोजन में शामिल होने का न्योता दिया था।

काशी में सावन के पहले सोमवार को यादव समुदाय की ओर से जलाभिषेक की परंपरा 1952 से चली आ रही है। इसकी शुरुआत स्व. तेजू सरदार ने की थी। हर साल यादव बंधु गौरी केदारेश्वर,तिलभांडेश्वर, और फिर दशाश्वमेध घाट से गंगा जल लेकर बाबा विश्वनाथ को अर्पित करते हैं। इसके बाद मृत्युंजय महादेव, त्रिलोचन महादेव और काल भैरव के दर्शन कर यह यात्रा पूरी होती है। इस बार अखिलेश यादव के इस आयोजन में शामिल होने को सियासी हलकों में व्यापक रूप से चर्चा का विषय माना जा रहा है। यह कदम न केवल उनकी धार्मिक आस्था को दर्शाता है, बल्कि सपा की छवि को मुस्लिम परस्ती से बाहर निकालने और सनातन धर्म के अनुयायियों के बीच स्वीकार्यता बढ़ाने की रणनीति का हिस्सा भी है।
अखिलेश यादव की यह रणनीति उनकी पार्टी को मुलायम सिंह यादव के दौर की छवि से बाहर निकालने की कोशिश का हिस्सा है। मुलायम सिंह ने सपा की नींव मुस्लिम और यादव वोटों के आधार पर रखी थी,लेकिन बदले सियासी हालात में यह समीकरण अब पर्याप्त नहीं है। बीजेपी ने हिंदुत्व के एजेंडे को केंद्र में रखकर विभिन्न हिंदू जातियों को एकजुट करने में सफलता हासिल की है। सपा पर लगातार यादववाद और मुस्लिम तुष्टिकरण के आरोपों ने अखिलेश के लिए सत्ता में वापसी की राह को और मुश्किल बना दिया है। खासकर,ब्राह्मण और ठाकुर समुदायों के बीच सपा के प्रति नाराजगी बढ़ी है,क्योंकि अखिलेश के कुछ बयानों को इन समुदायों के खिलाफ माना गया है। ऐसे में,काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक का यह कदम सनातन धर्म को मानने वाले व्यापक समुदाय के बीच सपा की स्वीकार्यता बढ़ाने की दिशा में एक प्रयास है।
राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि 2014 के बाद से देश की सियासत में हिंदुत्व का प्रभाव बढ़ा है। बीजेपी ने हिंदू मतदाताओं को एकजुट करने में सफलता हासिल की है, जिसने विपक्षी दलों को भी धार्मिक प्रतीकों और सॉफ्ट हिंदुत्व की राजनीति अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है। अखिलेश यादव का काशी दौरा इसी बदलते सियासी परिदृश्य का हिस्सा है। वे न केवल अपने परंपरागत यादव वोट बैंक को मजबूत करना चाहते हैं, बल्कि अन्य हिंदू समुदायों,खासकर सनातन धर्म को एकजुट देखने वालों का समर्थन भी हासिल करना चाहते हैं। हालांकि, बीजेपी की पिच पर उतरकर मुकाबला करना सपा के लिए आसान नहीं है। बीजेपी ने हिंदू समुदाय को अपना मजबूत वोट बैंक बना लिया है, और सपा का सॉफ्ट हिंदुत्व का दांव कितना कारगर होगा,यह आने वाला समय ही बताएगा।
इसके साथ ही,अखिलेश यादव सामाजिक न्याय के एजेंडे को भी मजबूत करने की कोशिश में हैं। मुस्लिम समुदाय से जुड़े मुद्दों पर मुखर होने के बजाय,वे अब सामाजिक समावेशिता और पीडीए फॉर्मूले पर जोर दे रहे हैं। काशी में जलाभिषेक का यह कदम न केवल धार्मिक,बल्कि सियासी दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। यह सपा को बीजेपी के हिंदुत्व के नैरेटिव का जवाब देने और व्यापक हिंदू समुदाय के बीच अपनी स्वीकार्यता बढ़ाने का मौका देता है। हालांकि,इस रणनीति की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि अखिलेश यादव कितनी कुशलता से अपनी पार्टी की पुरानी छवि को बदल पाते हैं और बीजेपी के सियासी ताने-बाने का जवाब दे पाते हैं।
कुल मिलाकर,अखिलेश यादव का सावन के पहले सोमवार को काशी विश्वनाथ मंदिर में जलाभिषेक करना एक सोची-समझी सियासी रणनीति का हिस्सा है। यह कदम उनकी बदलती राजनीति को दर्शाता है,जहां वे परंपरागत एम-वाई समीकरण से आगे बढ़कर सनातन धर्म के प्रतीकों को अपनाने और व्यापक सामाजिक समर्थन हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले यह रणनीति कितनी कारगर होगी,यह तो समय ही बताएगा, लेकिन इतना तय है कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश की सियासत में नए रंग भरने की कोशिश में जुटे हैं।

कविता
चिरई खोंधरा...

घटती-घटना

चंद्रकांत खूंटे
जांजगीर चाम्पा
छत्तीसगढ़

आजी देखेंव पीपर के रूख म
एक कोंकड़ा चिरई ल
टीप रूख म बासा करत
अउ अगास म घटा के घिरई ल
एति तेती चारो कोती कुड़हा
घनघोर बादर छात रहय
तेसने बरसाती बेरा मसादा
चिरई खोंधरा बनात रहय
कभु-कभु देखव भिया म
एक-दु लिकठा गिर आवय
डोहार-डोहार के काँटा-खूंटी ल
दुनो परानी सुग्घर घर बनावय
फेर हमर दसा तो
वोकरो ले अब्बड़ निबल हे
खाय बर दाना नइहे
देह घलो दुरबल हे
फेर चिरई के जीवन सुग्घर हे
जउन परकीति ले लान के
अपन खोंधरा छा डारत हे
कतका निकता जीवन पाय हे
जउन फोकट म पेट भर डारत हे।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

योग्यता

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

रागिनी! लाओ तुम्हारे पास जितनी भी पढ़ाई लिखाई और स्पोर्ट्स वगैरह की डिग्री हैं, सभी ले आओ। रागिनी की सासू माँ आरती की थाली दिखाती हुई बोली। रागिनी चौंक गई! मम्मी जी; आप मेरी डिग्री का क्या करेंगी? भला आप का क्या लेना देना है उससे? रागिनी अपने मोबाइल में अंगूठा सरकाती हँसती हुई बोली।
आरती की थाली पूजा स्थान में रखती हुई सासू माँ बोली- रागिनी.... मैं मजाक नहीं कर रही हूँ। सासू माँ की आवाज जैसे ही तेज उड़ान भरने लगी वैसे ही सोफा में मोबाइल रखती घबराती हुई रागिनी बोली मम्मी जी, आप मेरी डिग्री क्यों माँग रही? मुझे समझ नहीं आ रहा है।

गैस खत्म हो चुका है,चूल्हे में डालकर आग जलाना है।
क्या? रागिनी चौंक गई। मम्मी जी बात को यूँ ही स्प्रिंग की तरह गोल गोल मत घुमाइए न, ये भी कोई बात है? बस...यही सुनना रह गया था। हर सवाल का उत्तर है तुम्हारे पास लेकिन ये नहीं समझना है कि मैं क्यों और क्या बोलना चाहती हूँ।
जब देखो फ्रेंड्स, रील्स, व्हाट्सएप वगैरह...वगैरह...! सारा दिन इसी में लगी रहती हो। इतने में ही जीवन व्यतीत करना है? क्या इसी के लिए इतनी पढ़ाई की है? पाई-पाई जोड़कर तुम्हारे पेरेंट्स ने पढ़ाया लिखाया है, उसका ज़रा सा भी ख्याल नहीं है तुम्हे? ससुराल आ गई हो तो अपना फ़र्ज़ और सपना भूल गई हो? भगवान के आशीर्वाद से हम सम्पन्न हैं लेकिन हम यूँ ही लोगों में उलझने के बजाय एक अच्छा काम करें और अपने जीवन को खुशहाल बनाएँ। ऐसा क्यों नहीं सोच सकती? रागिनी तुम बहुत होनहार लड़की हो, मैं चाहती हूँ अपने हुनर को सामने लाओ और अच्छे कार्य करो। सोशल मीडिया में रहकर ही तुम लोगों को मोटिवेट क्यों नहीं करती; आजकल ऑनलाइन वर्क हो रहा। तुम्हें कहीं भी जाना नहीं पड़ेगा। स्नेह और आत्मविश्वास के साथ सासू माँ बोली। मम्मी जी! आपने आज मेरे नयन पट खोल दिए। आपने मेरे बँधे हुए पंखों को आज़ाद कर दिया। मुझे नहीं पता था कि एक ऐसा भी ससुराल होता है जहाँ बहुओं को स्वावलंबी होने का हक मिले। ये तो मेरा सौभाग्य है कि मुझे आप जैसी प्रेरणा देने वाली सासू माँ मिली। मैं धन्य हो गई! बोलती हुई रागिनी ने सासू माँ को झट से गले लगा लिया। सासू माँ रागिनी के सर पर हाथ फेरने लगी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जीः राष्ट्र के चरमोत्कर्ष की यज्ञवेदी पर प्राणोत्सर्ग

हेमेन्द्र क्षीरसागर,
बालाघाट, मध्यप्रदेश

डां श्यामाप्रसाद मुखर्जी ऐसे महान देशभक्त थे जिन्होंने राष्ट्र के चरमोत्कर्ष,एकता और अखण्डता की यज्ञवेदी पर अपना प्राणोत्सर्ग कर दिया। वह एक साथ ही शिक्षाविद्, लेखक,सासंद, राजनीतिज्ञ और मानवतावादी कट्टर देशभक्त थे। इन्होंने विद्याध्ययन के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की और शीध्र ही एक प्रख्यात शि क्षाविद् और प्रशासक के रूप में प्रतिष्ठित हो गए। उनकी इस उपलब्धि को मान्यता उस समय प्राप्त हुई जब 1934 में कलकत्ता विश्विद्यालय के कुलपति नियुक्त होने वालों में वह सबसे कम आयु के थे। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी स्वतंत्र भारत के निर्माताओं में से थे। उनका जन्म 6 जुलाई 1901 को हुआ था। वे उन नेताओं में से थे, जो खुद आगे आकर जोखिम झेलते हैं। उनके लिए भारत प्रथम था और भारत की अखण्डता और वैभव ही प्रमुख लक्ष्य। जान दे दी, पर कश्मीर जाने नहीं दिया। मंत्रीमंडल को ठोकर मार दी, लेकिन सिंद्धातों से समझौता नहीं किया। हॉं, मैं हिन्दू हूँ इस देश का राष्टत्व हिन्दू हैं। यह अटल सत्य हैं, पर इसका अर्थ यह नहीं कि हिन्दू किसी दूसरे मजहब या उपासना पद्धति के विरूद्ध हैं। ऐसा होता तो इतिहास ही कुछ और होता। कश्मीर हर हिन्दुस्तानी का हैं। हर दिल में कश्मीर के लिए दर्द उठना चाहिए जो हनीफुद्दीन और अजय आहूजा के दिलों में उठा। डॉ. मुखर्जी ने अपने जीवन और अपने बलिदान, दोनों से ही इस देश को

प्राण दिए। उनके लिए भारतीय होने का अर्थ राजनीति के कपट जाल में फॅसना नहीं,वरन् उस कपट जाल को तोडना था। बहुत कम लोगों को यह जानकारी होगी कि आज जो पंजाब और बंगाल का हिस्सा भारत में दिखता हैं, उसके पीछे डॉ. श्यामाप्रसाद मुखजी का जुझारूपन और आंदोलन मुख्य कारण रहे हैं। डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी के वह शब्द इतिहास में प्रसिद्ध हैं, जब उन्होंने कहा था, 'कांग्रेस ने हिन्दुस्तान का बॅटवारा किया और मैंने पाकिस्तान का।' इस देश का दुर्भाग्य रहा कि स्वतंत्र,किन्तु खंडित भारत की कमान उस व्यक्ति के हाथों में सौंपी गई, जिसे भारतीयता किवां हिन्दुत्व से चिढ थी और स्वयं को देश का अंतिम ब्रिटिश शासक कहलाने में गर्व का अनुभव करता था।
श्यामाप्रसाद मुखर्जी ने देखा कि विभाजन की भीषण त्रासदी झेलकर जो हिन्दु भारत पहुँच रहे हैं और जो पाकिस्तान में रह गए हैं, उनके प्रति पंडित नेहरू बेहद उपेक्षपूर्ण और बहुत हद तक निर्मम नीति अपना रहे हैं। इस बिन्दु पर सरदार पटेल और पं. नेहरू में गम्भीर मतभेद पैदा हो गए थे। सरदार पटेल तो यहॉं तक चाहते थे कि पूर्वी पाकिस्तान से कुछ जमीन ले लेनी चाहिए। भले ही इसके लिए सशस्त्र पुलिस कार्यवाही ही क्यों न करनी पडे पं. नेहरू ने लियाकत अली से समझौताकर हिन्दुओं के भविष्य को पूरी तरह पाकिस्तानी दरिन्दों के हाथों में छोड दिया। यह देखकर डॉ. श्यामाप्रसाद मुखर्जी आगबबूला हो उठे और उन्होंने उद्योग तथा आपूर्ति मंत्री के पद से त्यागपत्र दे दिया। अपना त्यागपत्र देते समय उन्होंने इसके पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया जो आज भी ऐतिहासिक तथा प्रेरणप्रद एक दस्तावेज के रूप में माना जाता हैं।
संकल्पित,मंत्रीमण्डल से त्यागपत्र देने के बाद डॉ. मुखर्जी ने संसद में प्रतिपक्ष की भूमिका निभाने का निश्चय किया। लेकिन वह जल्दी ही समझ गए कि प्रतिपक्ष की प्रभावी भूमिका निभाने के लिए संगठित पार्टी बनाना जरूरी हैं। इसी उद्देश्य से वह प्रतिपक्ष के राजनीतिक मंच के गठन की संभावनाओं को तलाशने की ओर अग्रसर हुए। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी किसी सशक्त व्यक्तित्व के नेतृत्व में राजनीतिक दल प्रारंभ किए जाने की जरूरत महसूस कर रहा था। डॉ. मुखर्जी और स्वयंसेवक संघ दोनों ही जिस बात की आवश्यकता अनुभव कर रहे थे। वह समान थी और इसी में से अक्टूबर, 1951 में भारतीय जनसंघ का उद्भव हुआ जिसके संस्थापक अध्यक्ष डॉ. मुखर्जी थे।

तीन महीने का राशन लेने हितग्राहियों के छूट रहे पसीने

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
शासन द्वारा एक साथ तीन महीने का राशन वितरण किया जा रहा है। तीन माह का राशन लेने में हितग्राहियों को पसीने छूट रहे हैं। एक साथ तीन महीने का राशिन वितरण का कार्य जून महीने से किया जा रहा है। एक माह बीतने के बावजूद भी जिले के अधिकांश हितग्राही राशिन नहीं ले पाए हैं। हालांकि विभाग द्वारा 80 प्रतिशत कार्डधारियों को राशन वितरण किए जाने का दावा किया जा रहा है। जबकि आज भी कार्डधारियों को राशन के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कई सोसायटी में चावल नहीं होने से हितग्राही वापस लौट रहे हैं।

जून,जुलाई व अगस्त महीने का एक साथ राशन वितरण किया जाना है। इसका मुख्य कारण शासन के गोदामों में भरे पड़े खाद्यान को खाली कर नया भंडारण किए जाने का भी बात सामने आ रहा है। एक साथ तीन माह का राशिन लेने के लिए कार्डधारियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खासकर सर्वर समस्याओं और ओटीपी प्राप्त करने में कठिनाई के कारण कई हितग्राही तीन महीने का राशन लेने के लिए 6 बार ओटीपी प्राप्त करने की आवश्यकता के कारण परेशान हैं और कुछ मामलों में सर्वर की समस्याओं के कारण उन्हें अभी भी केवल एक महीने का राशन मिल रहा है।

हालांकि विभाग द्वारा 80 प्रतिशत कार्डधारियों को राशन वितरण किए जाने का दावा किया जा रहा है। जबकि आज भी कार्डधारियों को राशन के लिए परेशान होना पड़ रहा है। कई सोसायटी में चावल नहीं होने से हितग्राही वापस लौट रहे हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति द्वारा तीन माह के राशन वितरण के लिए अंतिम तिथि 7 जुलाई तक निर्धारित की गई थी, लेकिन अधिकांश कार्डधारियों को अब तक राशन नहीं मिलने पर शासन द्वारा समय बढ़ाकर 31 जुलाई कर दी गई है।

सोसायटियों में नहीं है राशन

कार्डधारियों को एक साथ तीन माह का राशन दिए जाने से चावल का उठाव अधिक हो रहा है। इस सोसायटियों में बार-बार चावल खत्म हो जा रहे हैं। सोसायटी संचालकों द्वारा राशन के लिए विभाग को बार-बार डिमांड भेजा जा रहा है पर समय पर विभाग चावल सोसायटी को आपूर्ति नहीं करा पा रही है।

प्रदाय केन्द्रों में भी दबाव

जिला खाद्य अधिकारी का कहना है कि एक साथ तीन माह का राशिन वितरण किए जाने से खपत ज्यादा हो रही है। एक कार्डधारी को कम से कम एक से ढेढ़ क्विंटल चावल मिल रहे हैं। इस लिए खपत ज्यादा है। वहीं जिले के तीन राशन प्रदाय केन्द्रों में भी दबाव है। हमाली दिन रात कार्य में लगे हुए हैं।

ये हो रही परेशानी

1. एक साथ तीन महीने का राशन देने की व्यवस्था में,सर्वर की समस्या के कारण हितग्राहियों को राशन प्राप्त करने में देरी हो रही है।
2. हितग्राहियों को तीन महीने के राशन के लिए 6 बार फिंगर लगाना पड़ रहा है। जिससे समय अधिक लग रहा है।
3. हितग्राही एक साथ तीन महीने का राशन लेने में असमर्थ हैं क्योंकि दुकानदारों के पास पर्याप्त मात्रा में राशन उपलब्ध नहीं है।
4. राशन प्राप्त करने के लिए घंटों इंतजार कर रहे हैं।

ये है जिले की स्थिति

- जिले में सोसायटियों की संख्या कुल 519
- शहरी क्षेत्र में 67
- राशन कार्डधारियों की संख्या 3 लाख अधिक
- हितग्राहियों की संख्या 9 लाख से अधिक

लापरवाही पूर्वक दिखा रहा था करतब,ज्वलनशील पदार्थ की चपेट में आने से महिला की हो गई थी मौत

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
लगभग दो माह पूर्व धौरपुर थाना क्षेत्र के नया कुदर में शादी कार्यक्रम में लापरवाही पूर्वक करतब दिखाने के दौरान ज्वलनशील पदार्थ की चपेट में आने से बालिका सहित 5 महिलाएं झुलस गईं थीं। जिसमें गंभीर रूप से झुलसे एक महिला की मौत इलाज के दौरान रायपुर में हो गई थी। मामले में धौरपुर पुलिस ने असावधानी पूर्वक करतब दिखा रहे युवक के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार धौरपुर थाना क्षेत्र के ग्राम नया कुदर निवासी जगतराम की बेटी की शादी 27 अप्रैल को थी। रात करीब 10 बजे बारात के दौरान रामकेश द्वारा हाथ में प्लास्टिक बॉटल में ज्वलनशील पदार्थ के साथ आग लगा मशाल लेकर करतब दिखा रहा था। बगैर सुरक्षा के भीड़भाड़ वाले जगह पर ज्वलनशील पदार्थ फूंककर करबत दिखा रहा था। इस दौरान भीड़ में उपस्थित महिलाओं के ऊपर ज्वलनशील पदार्थ फुंक दिया। आग की चपेट में आने से गीता मरकाम उम्र पति राजदेव मरकाम उम्र 34 वर्ष, मोहरमनी पति राधोनाथ उम्र 50 वर्ष, सुमती पति धरमसाय उम्र 40 वर्ष, सहोदरी पति राजकुमार गोड उम्र 55 वर्ष,अनुराधा पिता नानसाय गोड उम्र 15 वर्ष निवासी किशुनपुर झुलस गई थीं। गंभीर रूप से जख्मी गीता मरकाम को इलाज के लिए धौरपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। वहीं उसकी स्थिति को गंभीर देखते हुए चिकित्सकों ने रायपुर रेफर कर दिया था। यहां इलाज के दौरान 1 जुलाई को उसकी मौत हो गई थी। मामले में मर्ग जांच के बाद धौरपुर पुलिस ने आरोपी रामकेश के खिलाफ धारा 105 व 187 के तहत अपराध दर्ज किया है।

दहेज के लिए गर्भवती पत्नी को सीढ़ी से दिया धक्का, बेटी होने पर अस्पताल में मारपीट

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
विवाहिता ने अपने पति,सास,ननद व ननदोई पर दहेज प्रताडऩा का आरोप लगाते हुए महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले में रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अंबिकापुर निवासी साक्षी सिंह का विवाद लखनऊ यूपी निवासी सौरव सिंह से वर्ष 2022 में हुई थी। साक्षी ने पुलिस को बताया है कि शादी के दौरान पिता दहेज में 25 हजार नकद व 10 लाख रुपए के जेवरात दिए थे। पीड़िता ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद ससुराल वाले दहेज कम लाई हो कह कर प्रताड़ित करना शुरू कर दिया। वहीं चोरी हो जाने का डर दिखाकर पीड़िता की सास सारे गहने लेकर अपने बैंक लॉकर में रख दी। वहीं दहेज में और 10 लाख रुपए की मांग करने लगे। दहेज नहीं मांगने पर पति, सास, ननद व ननदोई द्वारा प्रताड़ित व मारपीट की जाती थी। पिता से मांग कर 10 लाख रुपए नहीं लाने पर बेटे की दूसरी शादी करा देने की धमकी दी जाती थी। इसी बीच पीड़िता गर्भवती हो गई थी। इस दौरान उसे सीढ़ी से धक्का दे दिया गया था ताकि गर्भपात हो जाए। पीड़िता ने इसकी जानकारी मायके वालों को दी। मायके वाले पहुंचे और मामले की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस ने घटना को देखते हुए डिलिवरी तक ससुराल से अलग पति के साथ रहने को कहा गया था। पर उसका पति पीड़िता के साथ नहीं रहा और न ही उसका देखभाल करता था। र्भवस्था के दौरान ससुराल वालों द्वारा देखभाल नहीं किए जाने पर पीड़िता की मां वहां रूक कर उसकी देखदेख करती थी। वहीं पीड़िता ने 15 अक्टूबर 2024 को लखनऊ स्थित अस्पताल में बच्ची को जन्म दी। 16 अक्टूबर को पीड़िता का पति शराब के नशे में अस्पताल पहुंचकर पीड़िता के साथ गाली गलौज व मारपीट पर आमद हो गया। अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा इसकी जानकरी पुलिस को दी गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर मामले की जांच की और अस्पताल से छुट्टी होने पर रिपोर्ट दर्ज कराने की बात कही। वहीं अस्पताल से छुट्टी होने पर पीड़िता कई दिनों तक होटल में रूकी। वहीं शिकायत के बावजूद भी पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं होने पर पीड़िता अंबिकापुर मायके चली आई थी।

इनके खिलाफ दर्ज कराई रिपोर्ट

पीड़िता लगभग एक वर्ष तक मायके में रही। इसके बाद भी उसका पति वापस लेने नहीं आया। पीड़िता ने मामले की शिकायत महिला थाने में दर्ज कराई थी। वहीं महिला थाना पुलिस द्वारा उसके पति को काउंसिलिंग के लिए बुलाया और समझाइश देते हुए वापस ले जाने को बोला पर उसका पति अपने साथ ले जाने से इंकार कर दिया। इसके बाद पीड़िता ने पति सौरव कुमार सिंह सास निर्मला सिंह, ननंद श्वेता सिंह एवं ननदोई शशिकांत सिंह के खिलाफ महिला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

लूटः टैक्सी चालक को बंदूक की नोक पर अगवा कर जंगल में छोड़ा, आरोपी फरार

कोरबा,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले में एक हैरान करने वाली लूट और अपहरण की घटना सामने आई है। चांपा निवासी टैक्सी चालक अंकुश यादव को चार युवकों ने बंदूक की नोक पर अगवा कर उसकी शिफ्ट डिजायर कार लूट ली। यह पूरी वारदात इतनी फिल्मी अंदाज में अंजाम दी गई कि पुलिस भी हैरान है। जानकारी के अनुसार, टैक्सी चालक अंकुश यादव ने चांपा टैक्सी स्टैंड से चार सवारी बुक की थी, जिन्हें कोरबा जाना था। लेकिन उरगा थाना क्षेत्र के बरपाली के पास आरोपियों ने ÷उल्टी÷ का बहाना बनाकर गाड़ी रुकवाई। जैसे ही चालक ने गाड़ी रोकी, आरोपियों ने उसके गले पर चाकू और बंदूक तान दी और उसका मोबाइल भी छीन लिया।

अभिनव काशी को नियुक्त किया गया महाविद्यालय प्रभारी

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
एनएसयूआई ने अभिनव काशी को शासकीय राजीव गांधी पीजी कॉलेज के महाविद्यालय प्रभारी बनाया है। एनएसयूआई के सरगुजा जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल के नेतृत्व में संगठन को मजबूत एवं छात्-छात्राओं की अधिकार और उनसे जुड़ी समस्याओं से लडऩे को लेकर संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए हर कदम प्रयास किया जा रहा है। जो एक छात्र हित में नई दिशा प्रदान करेगी। इस अवसर पर संगठन ने एक नई जिम्मेदारी के साथ शुभकामनाएं प्रदान की है।

मनेंद्रगढ़ में 13 जुलाई को लगेगा लर्निंग लाइसेंस आरटीओ कैंप

एमसीबी,05 जुलाई 2025(घटती-घटना)। जिले में सड़क सुरक्षा और परिवहन सेवाओं को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार 13 जुलाई 2025 को विकासखंड मनेंद्रगढ़,डोमनापारा स्थित कोलस्टोर के पास गोंडवाना भवन में परिवहन सुविधा केंद्र के माध्यम से विशेष आरटीओ कैंप का आयोजन किया जाना है। इस शिविर के माध्यम से इच्छुक नागरिकों को लर्निंग लाइसेंस बनवाने की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे आम लोगों को क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय तक बार-बार चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। साथ ही इस दिन जिले में संचालित सभी स्कूल बसों की फिटनेस की जांच की जाएगी।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना से लोगों को मिल रही बड़ी राहत,बिजली बिल हुआ जीरो

शासन की पहल से सौर ऊर्जा से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा प्रदेश

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
आज के दौर में बिजली हर आम नागरिक की बुनियादी आवश्यकता बन गई है। चाहे टीवी,फ्रिज, पंखा हो या मोबाइल चार्ज करना हर उपकरण की निर्भरता बिजली पर है। लेकिन बढ़ती खपत के चलते बिजली का बिल कई बार घर का बजट बिगाड़ देती है। ऐसे में केंद्र और राज्य सरकार की पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना आम लोगों के लिए एक सशक्त विकल्प बनकर सामने आई है। अम्बिकापुर के देवीगंज रोड निवासी श्री शेखर गुप्ता ने बताया कि,बिजली हर घर की जरूरत है और खपत लगातार बढ़ रही है। पहले बिजली का बिल घर की आर्थिक स्थिति पर भारी पड़ता था। लेकिन जब मुझे पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना की जानकारी मिली,तो मैंने बिजली विभाग से संपर्क कर अप्रैल माह में अपने घर की छत पर तीन किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप पैनल लगवाया। उन्होंने बताया कि गर्मियों में यह पैनल करीब 400 यूनिट तक बिजली उत्पादन कर रहा है। इसका सीधा लाभ यह हुआ कि पिछले तीन महीनों से उनके घर का बिजली बिल जीरो हो गया है। उन्होंने खुशी जाहिर करते हुए बताया कि केंद्र सरकार की ओर से 78,000 रुपये की सब्सिडी सीधे उनके बैंक खाते में जमा हुई है। वहीं राज्य सरकार द्वारा तीन किलोवाट पैनल पर 30,000 रुपये की अतिरिक्त सब्सिडी देने का निर्णय लिया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को और भी राहत मिली है। उन्होंने कहा,यह योजना ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा दे रही है और आने वाले समय में हर घर की छत पर पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना का सोलर पैनल दिखेगा। यह बढ़ती बिजली की खपत और महंगे बिल से राहत दिलाने में अहम भूमिका निभा रही है। सरकार की यह योजना न केवल लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त कर रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

अंतराष्ट्रीय सहकारिता दिवस एक पेड़ माँ के नाम अभियान अंतर्गत जिले के 24 आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों में हुआ पौधरोपण कार्यक्रम

जशपुरनगर,05 जुलाई 2025/ (घटती-घटना)।
सहायक आयुक्त सहकारिता,जिला जशपुर द्वारा अंतराष्ट्रीय सहकारिता दिवस मनाने हेतु जारी कार्ययोजना अनुसार 5 जुलाई को जिले के 24 आदिम जाति सेवा सहकारी समितियों के 40 उपार्जन केंद्रों में 100-100 नग कुल 4000 नग पौधों का रोपण किया गया तथा प्रधानमंत्री जी के श्एक पेड़ माँ के नामश् अभियान का सफलता पूर्वक क्रियान्वयन किया गया। उक्त कार्यक्रम में सहायक आयुक्त सहकारिता जिला जशपुर द्वारा नारायणपुर समिति में पौधारोपण किया गया तथा सभी समितियों को ना केवल पौधारोपण करने अपितु रोपित पौधों का उचित तरीके से ट्री गार्ड आदि लगाकर संरक्षण करने हेतु निर्देश भी दिया गया। जिले के सहकारिता विभाग के समस्त अधिकारियों एवं अपेक्स बैंक के अधिकारी एवं कर्मचारियों को अलग-अलग समितियों का नोडल अधिकारी नियुक्त कर इस कार्यक्रम को सहकारी समितियों के कर्मचारियों के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

अनुशासनहीनता एवं छात्र-छात्राओं से दुर्व्यवहार बरतने पर सहायक शिक्षक निलंबित

बलरामपुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
शासकीय प्राथमिक शाला सोनहत विकासखंड वाड्रफनगर में सहायक शिक्षक श्री छोटेलाल पंडो के विरुद्ध शराब का सेवन कर विद्यालय में कक्षा 1 ली से 5 वीं तक अध्ययनरत छात्र/छात्राओं आयुष कुमार कक्षा तीसरी,कुमारी प्रिया कक्षा पांचवीं,नीरज कुमार कक्षा दूसरी, कुमारी कुमारी रचना कक्षा चौथी से मारपीट संबंधी शिकायत प्राप्त हुई थी। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी वाड्रफनगर के द्वारा प्रस्तुत जांच प्रतिवेदन के आधार पर संस्था में पदस्थ सहायक शिक्षक श्री छोटेलाल पंडो की उपर्युक्त लापरवाही प्रमाणित पाई गई। श्री छोटेलाल पंडो का उक्त कृत्य छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (आचरण) नियम-1965 के नियम-03 का स्पष्ट उल्लंघन है। शासकीय कर्तव्य के प्रति लापरवाही बरतने के कारण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम-9 (1) (क) के तहत् जिला शिक्षा अधिकारी श्री डी. एन. मिश्रा द्वारा श्री छोटेलाल पंडो को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में श्री छोटेलाल पंडो का मुख्यालय कार्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी बलरामपुर नियत किया गया है।

बिना लाइसेंस के नकली धान बीजो की धड़ल्ले से खरीदी बिक्री

कृषि विभाग कि अनदेखी समझ से परे ?

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
लखनपुर नगर सहित ग्रामीण क्षेत्रों में धान खाद बीज की दुकानों की भरमार मनमानी कीमतों में व गुणवत्ता विहीन धान बीज धड़ल्ले से बिक्री किया जा रहा है यहां किराना दुकानों में छोटे-छोटे ठेलो में बिना कोई मापदंड धानबीज बिक्री किया जा रहा है इसके रोकने वाला या जांच करने वाला कोई भी नहीं है। लखनपुर के कुछ पुराने दुकान को छोड़कर यहां मनमानी तरीके से बीज दुकान में बिना रेट लिस्ट बिना रसीद के महंगे दामों में धान बीज बिक्री किया जा रहा है।दुकानदार एक दो कंपनी बीज का लाइसेंस लेते हैं और कई कंपनियों के बीज धड़ले से बिक्री करते हैं बढ़िया कंपनी का धान बोल कर किसानो को बिना रसीद के थमा देते हैं दुकानों से किसान बीज लेने के बाद थराह लगाते है कई ब्रांडेड कंपनी के धान बीज लगाने के बाद उग नहीं रहे हैं ।जिससे किसान परेशान है दुकान वाला यह कहकर बला टाल दे रहा है कि हम क्या करें कंपनी वाला ही ऐसा भेज दिया है ना तो दुकान में रेट्स लिस्ट है कोई रसीद देता है किसान काफी परेशान है ना तो कोई अधिकारी कर्मचारी इन दुकानों को जांच नहीं पर कर रहा है जांच करेंगे तो करते केवल जांच के नाम में खाना पूर्ति लखनपुर क्षेत्र के किसान रूदन राम राजवाडे,राजू राम,मंगल राम,सहित के ऐसे किसान हैं जिन्होंने बताया कि धान बीज दुकान से लिया कंपनी ब्रांड का धान देने के बावजूद भी खेतों में थराह किए गए 20 से 40त्न परसेंट भी कई कंपनियों के धान बीज नहीं उग रहे हैं जिससे किसान काफी परेशान है पैसे के साथ समय का भी नुकसान हो रहा है दुकान वाले से शिकायत करने पर कंपनी हवाला देकर वापस भेज दे रहे हैं किसान ठगा सा महसूस हो रहा है किसानों के सुनने वाला नहीं है कई किसानो मार्केट में कुछ दुकानों में डुप्लीकेट बीज बिक्री के कारण खेती में पीछे जाते हैं जिससे भारी नुकसान होता है महंगे दामों के बीच होने के बावजूद भी धान का नहीं उगना किसान को चिंता में डाल दे रहे हैं। वहीं कृषि विभाग के अधिकारियों के द्वारा नकली धन बीजों की खरीदी बिक्री पर रोक लगाने कोई सार्थक कदम नहीं उठाया गया है और इसका खमियाजा किसानों को भुगतना पड़ रहा है। डीडी उप संचालक कृषि पीतांबर दीवान से चर्चा करने पर उनके द्वारा बताया आज ही कि शिकायत मिली है धान बीज की जांच के लिए टीम लखनपुर में भेजा गया है दुकानों की बीज जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

कार की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक की मौत

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
कार की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। बिश्रामपुर अस्पताल से रेफर करने पर परिजन उसे मेडिकल कॉलज अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां जांच के दौरान डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। जानकारी के अनुसार धर्मपाल राजवाड़े पिता बेशुलाल उम्र 30 वर्ष जयनगर थाना क्षेत्र के जगाधरपुर का रहने वाला था।

वह 3 जुलाई की सुबह 9 बजे बाइक से काम करने जा रहा था। रास्ते में गजाधरपुर स्थित घुटरीपारा के पास कार क्रमांक सीजी 15 इडी 4561 ने टक्कर मार दी थी। दुर्घटना में धर्मपाल गंभीर रूप से जख्मी हो गया था। परिजन उसे इलाज के लिए लटोरी अस्पताल में भर्ती कराए थे। दूसरे दिन परिजन उसे बिश्रामपुर अस्पताल ले गए।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास योजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक संपन्न

सूरजपुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन एवं जिला पंचायत सीईओ श्रीमती कमलेश नंदिनी साहू की अध्यक्षता में आज जिला पंचायत सभाकक्ष सूरजपुर में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग अंतर्गत संचालित योजनाओं की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना,स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण),राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन,महिला एवं बाल विकास,जल जीवन मिशन सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री जयवर्धन ने प्रधानमंत्री आवास योजना की विस्तार से समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शत-प्रतिशत हितग्राही पंजीयन एवं निर्माण कार्यों को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवास मित्रों को पूरी सक्रियता से कार्य करने की बात कही और निर्माण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी। जनपदवार समीक्षा के दौरान जहां अपेक्षित प्रगति नहीं हुई,वहां जल्द लक्ष्य प्राप्त करने को कहा गया। इसके अलावा आवासों का जियो टैग शीघ्र करवाने के निर्देश दिए। मनरेगा योजना के अंतर्गत कराए गए निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए। वहीं स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता गतिविधियों को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु गड्ढों की भराई,कूड़ा निपटान,डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन शेड, व्यक्तिगत एवं सामुदायिक शौचालय निर्माण जैसे कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की समीक्षा के दौरान लखपति दीदी योजना को विस्तार देने, महिला समूहों को उद्यमिता से जोड़ने एवं उनकी आय वृद्धि के उपायों पर भी चर्चा हुई। साथ ही ब्रांडिंग और प्रोडक्ट निर्माण के माध्यम से दीदियों को सशक्त बनाने की रणनीति तैयार करने को कहा गया। बैठक में विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाएं जैसे जीवन ज्योति बीमा योजना,अटल पेंशन योजना, मुद्रा योजना,आयुष्मान भारत योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए हितग्राहियों को इन योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए गए। साथ ही जल जीवन मिशन,कृषि,ग्रामीण सड़क,और स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई। वर्षा ऋतु को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में स्वच्छता सर्वेक्षण, ओडीएफ वेरिफिकेशन, फीडबैक, सार्वजनिक स्थानों की साफ-सफाई, नालियों की नियमित निकासी, शासकीय भवनों एवं हैंडपंप के आसपास स्वच्छता बनाए रखने पर विशेष बल दिया गया।

बिग ब्यूटीफुल बिल पर एलन मस्क की धमकी से रिपब्लिकन पार्टी में घमासान,ट्रंप ने भी किया पलटवार

वॉशिंगटन,05 जुलाई 2025।

अमेरिका में दिग्गज उद्योगपति एलन मस्क और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच अब खुला टकराव शुरू हो गया है। मस्क ने ट्रंप के समर्थक रिपब्लिकन नेताओं को सीधी धमकी दी है कि अगर उन्होंने ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल बिल का समर्थन किया, तो वह उनका अगला चुनाव हरवा देंगे।

क्या है पूरा मामला ?

डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से लाया गया एक भारी-भरकम खर्च वाला बिल गुरुवार को अमेरिकी संसद (हाउस) में मुश्किल से पास हुआ। इसके अगले ही दिन,ट्रंप ने व्हाइट हाउस में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान इस पर हस्ताक्षर किए। लेकिन एलन मस्क इस बिल से बेहद नाराज हैं। उनका कहना है कि इससे अमेरिका का राष्ट्रीय घाटा और बढ़ेगा।

मस्क की चेतावनी

मस्क ने सोमवार को कहा, जिन रिपब्लिकन सांसदों ने इस बिल का समर्थन किया है, मैं उनके खिलाफ उम्मीदवार खड़ा करूंगा और अगर मेरी आखिरी सांस भी लग जाए,तो भी उन्हें हारना पड़ेगा। मस्क ने बिल का खुलकर विरोध करने वाले सांसद थॉमस मैसी (केंटकी) का समर्थन करने की बात भी कही। मस्क ने यहां तक कह दिया कि अमेरिका को एक नई राजनीतिक पार्टी की जरूरत है, जो इस तरह के बेवजह खर्च पर लगाम लगाए। उन्होंने ट्रंप के बिल को घातक बताया।

रिपब्लिकन पार्टी में नाराजगी

कई रिपब्लिकन नेताओं ने मस्क की इस बयानबाजी को अनुचित और विकट समय में नुकसानदायक बताया है। एक रिपब्लिकन चुनाव सलाहकार ने कहा, हर बार जब हम आंतरिक झगड़ों में फंसते हैं, तो सीनेट चुनावों में हार होती है।

ट्रंप का पलटवार

ट्रंप ने भी मस्क पर पलटवार किया। फ्लोरिडा में एक कार्यक्रम में ट्रंप ने कहा, हम सरकारी दक्षता विभाग से मस्क की जांच करवाएंगे। अगर विभाग मस्क को देखेगा, तो हम अरबों डॉलर बचा सकते हैं। इतना ही नहीं, ट्रंप ने इशारा किया कि मस्क को अमेरिका से बाहर भी निकाला जा सकता है, क्योंकि वे दक्षिण अफ्रीका में जन्मे प्रवासी हैं। दोनों के बीच टकराव इसलिए भी चौंकाने वाला है क्योंकि इस साल की शुरुआत तक मस्क ट्रंप के बड़े समर्थक माने जाते थे।

इस्राइल ने गाजा पर फिर किए हवाई हमले, 47 की मौत

हमास ने 60 दिन की युद्ध विराम वार्ता पर जताई सहमति

गाजा,05 जुलाई 2025।

गाजा की सड़कों पर आज फिर मातम पसरा है। भूख मिटाने के लिए कतार में खड़े फलस्तीनियों पर इस्राइल ने एक बार फिर हवाई हमला किया। इस हमले में 47 जानें चली गईं। मीडिया रिपोर्ट की माने तो इस हमले के साथ ही अस्पतालों में चीख-पूकार मची हुई है और दवाएं कम पड़ रही हैं। हालांकि, इसी बीच हमास ने 60 दिन के युद्धविराम पर सहमति जताकर एक उम्मीद की किरण जगाई है।

इस्राइल और हमास के बीच लगभग दो साल से चल रहे संघर्ष में गाजा के हालात लगातार बिगड़ते जा रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को भी हुए इस्राइली हवाई हमलों में कम से कम 47 फलस्तीनी नागरिकों की मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हमले उस समय हुए जब लोग खाना पाने के लिए कतार में खड़े थे। अस्पतालों में घायलों की भरमार है और इलाज के संसाधन कम पड़ रहे हैं।

बता दें कि इस्राइल की ओर से ये हमला उस समय हुआ जब हमास ने एक 60 दिन के युद्धविराम प्रस्ताव पर बातचीत शुरू करने की सहमति दी है। इसका मकसद गाजा में राहत सामग्री पहुंचाना और आगे चलकर स्थायी संघर्षविराम की दिशा में कदम बढ़ाना है। हमास के सहयोगी संगठन इस्लामिक जिहाद ने भी इस प्रस्ताव को समर्थन दिया है। साथ ही स्थायी शांति के लिए गारंटी की मांग की है।

युद्धविराम को लेकर वार्ता में लगातार प्रगति

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार,हमास ने 60 दिन की सीजफायर योजना पर सकारात्मक जवाब दिया है। हमास की ओर से जारी बयान में बताया गया कि वे तुरंत बातचीत के लिए तैयार हैं। हालांकि इस बीच इस्राइल पहले ही अमेरिका द्वारा प्रस्तावित इस योजना को सैद्धांतिक रूप से स्वीकार कर चुका है।

डोनाल्ड ट्रंप ने क्या बोला ?

वहीं इस मामले में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी उम्मीद जताई है कि अगले सप्ताह तक युद्धविराम का समझौता हो सकता है। उन्होंने कहा कि हमें इसे अब खत्म करना होगा। साथ ही ट्रंप ने हमास को चेतावनी देते हुए कहा, अगर उन्होंने इस प्रस्ताव को नहीं माना, तो हालात और बिगड़ेंगे।

युद्धविराम प्रस्ताव में क्या-क्या है ?

प्रस्ताव के तहत हमास पहले चरण में 10 इस्राइली बंधकों को रिहा करेगा, जिनमें से 8 जीवित और 18 मृत घोषित किए गए हैं। इसके बदले में कुछ फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई होगी और इस्राइली सेना उत्तरी गाजा के कुछ हिस्सों से हटेगी।

इस्राइल की रणनीति में बदलाव

अब तक इस्राइल प्रधानमंत्री बिन्यामिन नेतन्याहू हमास के सैन्य ढांचे को पूरी तरह खत्म करने की बात कहते रहे हैं। लेकिन हाल ही में ईरान के साथ हुए 12 दिन के संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बाद उन्होंने अपना रुख नरम किया है। शनिवार रात वे अपने कैबिनेट के साथ इस युद्धविराम प्रस्ताव पर बैठक करने जा रहे हैं, फिर सोमवार को वे वॉशिंगटन में ट्रंप से मुलाकात करेंगे।

बड़े मानवीय संकट के बीच मध्यस्थता पर जोर

वहीं कतर, मिस्र और अमेरिका युद्धविराम के लिए मध्यस्थता कर रहे हैं। नई योजना के तहत अमेरिका ने भरोसा दिलाया है कि वह इस्राइल को बातचीत के लिए मजबूती से जोड़े रखेगा। साथ ही गाजा में मानवीय राहत भेजने के लिए पारंपरिक रास्तों को प्राथमिकता देने की बात कही गई है। अगर प्रस्ताव पर सहमति बनती है, तो यह 21 महीने से चल रहे इस भयानक युद्ध को खत्म करने की दिशा में एक बड़ा कदम हो सकता है।

पाकिस्तान में बारिश से इमारत ढही, 17 की मौत

100 से ज्यादा लोग रह रहे थे, मलबे में कई लोग दबे, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

इस्लामाबाद,05 जुलाई 2025। पाकिस्तान के कराची शहर में शुक्रवार रात एक पांच मंजिला इमारत गिरने से 17 लोगों की मौत हो गई। यह इमारत ली मार्केट में फिदा हुसैन शेखा रोड पर स्थित थी। अधिकारियों ने इसे पहले ही कमजोर और रहने लायक नहीं घोषित कर दिया था, लेकिन हाल में हुई बारिश ने इसकी हालत और खराब कर दी थी। डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) दक्षिण सैयद असद रजा ने बताया कि बारिश से इमारत की संरचना और कमजोर हो गई थी। डॉन की रिपोर्ट के मुताबिक हादसे में नौ लोग घायल हुए थे, जिनमें से छह को इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई है और एक की हालत गंभीर है। डीआईजी रजा ने बताया कि बगदादी, लियारी इलाके में बचाव कार्य अभी भी जारी है, जहां यह इमारत ढही थी। कराची में इमारतों और छतों का गिरना आम बात है, क्योंकि यहां सुरक्षा मानकों का पालन नहीं होता और घटिया निर्माण

सामग्री का इस्तेमाल होता है। कराची की आबादी दो करोड़ से ज्यादा है।

कराची में 570 से ज्यादा इमारतें खतरनाक : रेस्क्यू टीम का नेतृत्व कर रहे आबिद जलालुद्दीन शेख ने बताया कि ऑपरेशन पूरी रात बिना रुके चलता रहा। उन्होंने कहा कि मलबा पूरी तरह हटाने और ऑपरेशन खत्म होने में आठ से 12 घंटे और लग सकते हैं। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आरिफ अजीज ने बताया कि इमारत में 100 से ज्यादा लोग रह रहे थे। सिंध विधानसभा की लोक लेखा समिति ने दिसंबर में प्रांतीय सरकार को आदेश दिया था कि कराची में जिन 570 से ज्यादा इमारतों को अधिकारियों ने खतरनाक घोषित किया है, उन्हें तुरंत खाली कराया जाए, ताकि इस तरह के हादसे रोके जा सकें।

3 साल पहले इमारत खाली करने का आदेश दिया गया : सिंध बिल्डिंग कंट्रोल अथॉरिटी ने बताया कि अक्टूबर 2022 में की गई जांच के बाद इस इमारत को तकनीकी समिति ने खतरनाक घोषित कर दिया था। इसके बाद से इमारत के निवासियों को 3 बार नोटिस जारी किए गए थे और के-इलेक्ट्रिक, सुई सदर्न गैस कंपनी और कराची वॉटर एंड सीवरेज बोर्ड को भी बिजली, गैस और पानी जैसी सुविधाएं बंद करने को कहा गया था, ताकि लोग खुद ही इमारत खाली कर दें। इमारत में रह रहे लोगों और मालिक ने नोटिस मिलने से साफ इनकार कर दिया।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से 24 की मौत, 23 लड़कियां लापता

वॉशिंगटन,05 जुलाई 2025।

अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ से 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लड़कियां लापता हो गई। अब तक 400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि रेस्क्यू टीम काम कर रही है। जिसमें नौ बचाव दल, 14 हेलिकॉप्टर और 12 ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। कर्विल के पास कैंप मिस्टिक, जो एक लड़कियों का समर कैंप है, पूरी तरह बाढ़ में डूब गया। कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया है। कैंप में बिजली नहीं है और कई बच्चे अभी भी रेस्क्यू का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि कितने लोग लापता हैं,इसका सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल है। पूर्वानुमान में बारिश की संभावना जताई गई थी,और लगभग 30 हजार लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में टेक्सास और तेज बारिश हो सकती है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा-हम बाढ़ से निपटने के लिए सभी जरूरी संसाधनों को इस्तेमाल कर रहे हैं। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, गुरुवार देर रात और शुक्रवार सुबह कर्विल काउंटी में 5 से 10 इंच बारिश हुई, जिसकी वजह से टेक्सास में ग्वाडालूप नदी का जलस्तर कुछ ही घंटों में 7 फीट से बढ़कर 29 फीट हो गया।

विभिन्न कंपनियों में रोजगार का सुनहरा अवसर

9 जुलाई को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

बलरामपुर, 05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के लिए 9 जुलाई 2025 को जनपद पंचायत बलरामपुर के सभाकक्ष में प्रातः 11 से प्लेसमेंट कैंप का आयोजन किया जाएगा। आयोजित प्लेसमेंट कैंप में फीडम एम्प्लॉयबिलिटी एकेडमी, हवेली रेस्टोरेंट, अमित मोटर्स, आकाश एग्रो इण्डस्ट्रीज, श्रीराम लाइफ इंश्योरेंस, चोलामंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी, श्रीराम एग्रो एजेंसी, माँ अम्बे ट्रेक्टर्स, आर्यन ट्रेडर्स, सूमित ट्रेडर्स, अश्रव सिक्योरिटी एच आर सर्विस प्रा.लि.कंपनी उपस्थित होंगे। प्लेसमेंट कैंप में ऑफिस टीचर के 5,वेटर के 4,रिसेप्शनिस्ट के 1,क्लीनर के 2,वेल्डर के 7,लेथ मशीन ऑपरेटर के 1,हेल्फर के 2, शॉपवर्कस के 2, डीईएसओ के 6, टीएसएम के 4, बीओई के 2 ,एसएम के 2, कलेक्शन ऑफिसर के 2,कम्प्यूटर ऑपरेटर के 2, मैनेजर के 1, सेल्स बॉय के 1, काउंटर के 1 बॉय, कैशियर के 1, अस्सिटेंट नर्स के 100, एचआर एग्जीक्यूटिव के 5, ऑफिस असिस्टेंट के 2, सिक्योरिटी गार्ड के 50, बिलिंग एग्जीक्यूटिव के 5 पदों पर भर्ती की जाएगी। उक्त प्लेसमेंट कैंप में शामिल होने के लिए इच्छुक उम्मीदवार अपने शैक्षणिक दस्तावेज के साथ निर्धारित तिथि व समय में उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे। अधिक जानकारी के लिए जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बलरामपुर में सम्पर्क नंबर 78312-99158, 75877-20774 पर संपर्क कर सकते हैं।

सफलता की कहानी : सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना' ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के आम नागरिकों की जिंदगी में ला रहा बड़ा बदलाव

कुनकुरी के डॉ. फूलचंद कुजूर ने अपने घर की छत पर 10 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कर ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण की पेश की प्रेरणादायी मिसाल

सोलर पैनल के कुल लागत लगभग 4.80 लाख में से डॉ. कुजूर को 78 हजार की मिली सब्सिडी

जशपुरनगर,05 जुलाई 202/ (घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की महत्त्वाकांक्षी योजना सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना विकास और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में लोगों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो रही है। अब ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में आम नागरिकों की ज़िंदगी में बड़ा बदलाव ला रही है। इसी क्रम में जशपुर जिले के कुनकुरी निवासी डॉ. फूलचंद कुजूर ने इस योजना का लाभ उठाकर अपने घर की छत पर 10 किलोवाट क्षमता का सोलर पैनल स्थापित कर ऊर्जा बचत और पर्यावरण संरक्षण की प्रेरणादायी मिसाल पेश की है। डॉ. फूलचंद कुजूर पेशे से एक डॉक्टर हैं और हमेशा स्वच्छ पर्यावरण एवं सतत ऊर्जा के पक्षधर रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना की जानकारी उन्हें एक विज्ञापन के माध्यम से मिली, जिसके बाद उन्होंने बिजली विभाग से संपर्क कर योजना की संपूर्ण प्रक्रिया को पूरा किया। उन्होंने बताया कि सोलर पैनल लगाने की कुल लागत लगभग 4.80 लाख आई, जिसमें से 78 हजार की सब्सिडी शासन द्वारा सीधे उनके बैंक खाते में प्रदान की गई। यह सोलर सिस्टम सात से आठ महीने पहले स्थापित किया गया और तभी से उन्हें निरंतर लाभ मिल रहा है।

डॉ. कुजूर ने बताया कि यह सोलर पैनल सूर्य की प्राकृतिक ऊर्जा से बिजली उत्पन्न करता है, जिससे बिजली बिल में भारी बचत होती है और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी मदद मिलती है। उनका घर अब ग्रीन एनर्जी होम बन गया है, जहाँ बिजली की जरूरतें स्वच्छ ऊर्जा से पूरी हो रही हैं और अतिरिक्त बिजली विद्युत ग्रिड में भी आपूर्ति हो रही है।उन्होंने कहा कि यह पहल न सिर्फ मेरे बिजली बिल को कम कर रही है, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ पर्यावरण की दिशा में भी एक छोटा लेकिन सशक्त कदम है। डॉ. कुजूर ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह योजना आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी है और हर नागरिक को इसका लाभ उठाना चाहिए। बिजली विभाग के श्री लोकनाथ नेताम एई ने बताया कि विद्युत हितग्राही द्वारा सोलर पैनल में अधिक बिजली उत्पादन हो रहा इसलिए बिजली बिल माइनस में आ रहा।

बगीचा के शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में उत्साह से मनाया गया शाला प्रवेश उत्सव

जशपुरनगर,05 जुलाई 202/ (घटती-घटना)।

जशपुर विधायक श्रीमती रायमुनी भगत के मुख्य अतिथि में बगीचा शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में धूमधाम से शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया इस अवसर पर सरस्वती साइकिल वितरण एवं स्कूल गणवेश व पुस्तक वितरण किया गया। विधायक जी ने अपने संबोधन में बताया कि हम सभी बहुत गरीबी में पढ़े हैं। आप लोगों को बहुत अच्छा अवसर प्राप्त हुआ है आप अपने जीवन को तभी संवार सकते हैं जब आप मन लगाकर पढ़ेंगे। पढ़ाई के साथ साथ खेल संस्कार अपने देश की संस्कृति एवं इतिहास का ज्ञान होना चाहिए। श्री दिनेश शर्मा जी,गायत्री नागेश,प्रभात सिदाम, सुभाष गोयल, हरीश आरिक,अरविन्द गुप्ता,रीना बरला, मुक्ता देवी,सविता द्विवेदी,भगवानु यादव एसडीएम प्रदीप राठिया और विकास खंड शिक्षा अधिकारी बगीचा उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के मैनपाट दौरे को लेकर प्रशासन की तैयारियां पूरी,शांति व्यवस्था के लिए लगाई गई मजिस्ट्रियल ड्यूटी

अम्बिकापुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

सरगुजा जिले के मैनपाट में 07 जुलाई से 09 जुलाई 2025 तक मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय का प्रस्तावित दौरे को लेकर जिला प्रशासन की पूरी तैयारियां जारी है। इस दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और कार्यक्रमों के सफल आयोजन के लिए मजिस्ट्रीयल ड्यूटी लगाई गई है। कलेक्टर श्री विलास भोसकर द्वारा जारी आदेश के अनुसार अपर कलेक्टर श्री सुनील कुमार नायक को नोडल अधिकारी और श्री सीतापुर एसडीएम श्री नीरज कुमार कौशिक को सहायक नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। दोनों अधिकारी कार्यक्रम के संचालन और समन्वय की जिम्मेदारी निभाएंगे।

मजिस्ट्रियल ड्यूटी पर नियुक्त अधिकारी को सौंपी गई जिम्मेदारी : जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रियल ड्यूटी निर्धारित की है कि तहसीलदार सीतापुर श्री गोविन्द्र सिन्हा, तहसीलदार मैनपाट श्रीमती ममता रात्रे और तहसीलदार बतौली श्रीमती तारा कुमारी सिदार को तिब्बती बौद्ध मठ (गोम्पा प्रार्थना कक्ष मोनेस्टरी),रोपाखार मैनपाट का दायित्व सौंपा गया है। अम्बिकापुर एसडीएम श्री फागेश सिन्हा, तहसीलदार लूण्ड्रा सुश्री चित्ररेखा चन्द्रवंशी और नायब तहसीलदार सीतापुर श्री तुषार मानिक को शैला रिसार्ट मैनपाट की जिम्मेदारी दी गई है। डिप्टी कलेक्टर श्री रामराज सिंह, तहसीलदार दरिमा श्री अमन चतुर्वेदी और तहसीलदार सुश्री रूपाली मेश्राम को करमा रिसार्ट मैनपाट में ड्यूटी पर लगाया गया है। उदयपुर एसडीएम श्री बनसिंह नेताम और नायब तहसीलदार राजापुर श्री सर्वेश कुमार पटेल को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस मैनपाट में तैनात किया गया है। एयरपोर्ट दरिमा पर अपर कलेक्टर श्री अमृत लाल ध्रुव, तहसीलदार श्री जयेंद्र सिंह, तहसीलदार श्री विकास जिंदल और दरिमा नायब तहसीलदार श्री अजय कुमार गुप्ता को जिम्मेदारी दी गई है। हैलीपेड नंबर 01 रोपाखार पर लूण्ड्रा नायब तहसीलदार श्री मोईनुद्दीन खान और हैलीपेड नंबर 02 मैनपाट पर कुन्नी नायब तहसीलदार श्री उमेश कुमार तिवारी तैनात रहेंगे। स्थानीय सर्किट हाउस अम्बिकापुर पर अम्बिकापुर तहसीलदार श्री उमेश कुमार बाज और तहसीलदार श्री जयेश कंवर को जिम्मेदारी दी गई है।

फारेस्ट रेस्ट हाउस मैनपाट पर मैनपाट नायब तहसीलदार श्री संजय कुमार और सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख श्री प्रांजल गोयल ड्यूटी पर रहेंगे।

देव हेरीटेज मैनपाट पर लूण्ड्रा नायब तहसीलदार श्री निखिल श्रीवास्तव और नायब तहसीलदार श्री लकेश्वर प्रसाद तैनात रहेंगे। कमलेश्वरपुर चौक मैनपाट पर बतौली नायब तहसीलदार श्री कृष्ण कुमार कंवर और प्रवेश मुख्य द्वार तिब्बती कैंप नंबर 01 पर सीतापुर नायब तहसीलदार श्री रामसेवक पैकरा की ड्यूटी लगाई गई है।

पुल नही

बीमार को पहले कंधे पर बैठाया

फिर नदी पार कर अस्पताल पहुंचाने मजबूर ग्रामवासी

-राजन पाण्डेय-

कोरिया/सूरजपुर,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ में सरकारों ने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों के लिए करोड़ों खर्च किया। लेकिन धरातल से ऐसी तस्वीरें सामने आती है जो सरकार के विकास के दावों की पोल खोल देती है। सोनहत विकासखण्ड के सेमरिया ग्राम के ठीक बगल में सूरजपुर जिले के रसौकी ग्राम से ऐसा ही एक मामला देखने को मिला सोशल मीडिया पर भी वायरल हो रहा है। इस वीडियो में एक बीमार व्यक्ति को कंधे पर बैठा कर पैदल नदी पार करा रहे हैं। वही दूसरे तरफ इसी नदी में बाइक को भी कंधे पर लोड करके नदी पार की जा रही है। इसका कारण यह है कि नदी में पुल नहीं है. जिसकी वजह से खास कर बरसात के दिनों में ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है ,और एंबुलेंस बीमार व्यक्ति के घर तक नहीं पहुंच सकती ये वीडियो दो दिन पुराना है, जो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है जिससे शासन-प्रशासन की जमकर किरकिरी हो रही है।

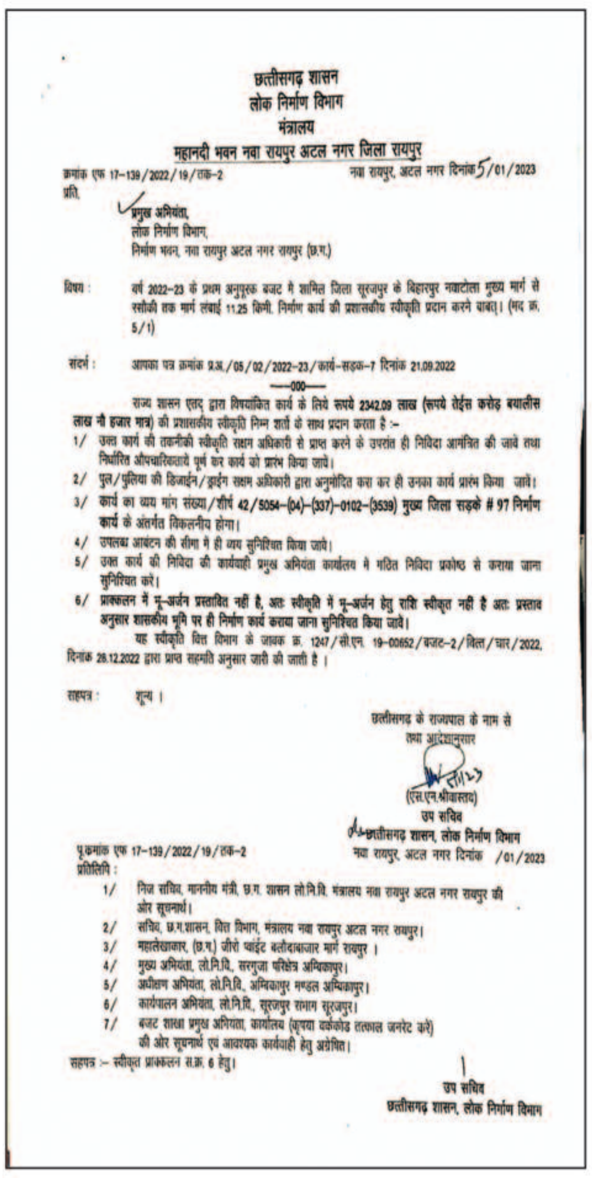

छत्तीसगढ़ शासन
लोक निर्माण विभाग
मंत्रालय
महानदी भवन नवा रायपुर अटल नगर जिला रायपुर

क्रमांक एफ 17-139/2022/19/तक-2 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक 5/01/2023

प्रति,
प्रमुख अभियंता,
लोक निर्माण विभाग,
निर्माण भवन, नवा रायपुर अटल नगर रायपुर (छ.ग.)

विषय : वर्ष 2022-23 के प्रथम अनुपूरक बजट मे शामिल जिला सूरजपुर के बिहारपुर नवाटोला मुख्य मार्ग से रसौकी तक मार्ग लंबाई 11.25 किमी. निर्माण कार्य की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान करने बाबत्। (मद क्र. 5/1)

संदर्भ : आपका पत्र क्रमांक प्र.अ./05/02/2022-23/कार्य-सड़क-7 दिनांक 21.09.2022

—000—

राज्य शासन एतद् द्वारा विषयांकित कार्य के लिये रूपये 2342.09 लाख (रूपये तेईस करोड़ बयालीस लाख नौ हजार मात्र) की प्रशासकीय स्वीकृति निम्न शर्तो के साथ प्रदान करता है :-

1/ उक्त कार्य की तकनीकी स्वीकृति सक्षम अधिकारी से प्राप्त करने के उपरांत ही निविदा आमंत्रित की जावे तथा निर्धारित औपचारिकतायें पूर्ण कर कार्य को प्रारंभ किया जावे।
2/ पुल/पुलिया की डिजाईन/ड्राईंग सक्षम अधिकारी द्वारा अनुमोदित करा कर ही उनका कार्य प्रारंभ किया जावें।
3/ कार्य का व्यय मांग संख्या/शीर्ष 42/5054-(04)-(337)-0102-(3539) मुख्य जिला सड़के # 97 निर्माण कार्य के अंतर्गत विकलनीय होगा।
4/ उपलब्ध आबंटन की सीमा मे ही व्यय सुनिश्चित किया जावे।
5/ उक्त कार्य की निविदा की कार्यवाही प्रमुख अभियंता कार्यालय मे गठित निविदा प्रकोष्ठ से कराया जाना सुनिश्चित करें।
6/ प्राक्कलन में भू-अर्जन प्रस्तावित नहीं है, अतः स्वीकृति में भू-अर्जन हेतु राशि स्वीकृत नही है अतः प्रस्ताव अनुसार शासकीय भूमि पर ही निर्माण कार्य कराया जाना सुनिश्चित किया जावे।

यह स्वीकृति वित्त विभाग के जावक क्र. 1247/सी.एन. 19-00652/बजट-2/वित्त/चार/2022, दिनांक 28.12.2022 द्वारा प्राप्त सहमति अनुसार जारी की जाती है ।

सहपत्र : शून्य ।

छत्तीसगढ़ के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
(एस.एन.श्रीवास्तव)
उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग

पृ.क्रमांक एफ 17-139/2022/19/तक-2 नवा रायपुर, अटल नगर दिनांक /01/2023

प्रतिलिपि :
1/ निज सचिव, माननीय मंत्री, छ.ग. शासन लो.नि.वि. मंत्रालय नवा रायपुर अटल नगर रायपुर की ओर सूचनार्थ।
2/ सचिव, छ.ग.शासन, वित्त विभाग, मंत्रालय नवा रायपुर अटल नगर रायपुर।
3/ महालेखाकार, (छ.ग.) जीरो प्वाइंट बलौदाबाजार मार्ग रायपुर ।
4/ मुख्य अभियंता, लो.नि.वि., सरगुजा परिक्षेत्र अम्बिकापुर।
5/ अधीक्षण अभियंता, लो.नि.वि., अम्बिकापुर मण्डल अम्बिकापुर।
6/ कार्यपालन अभियंता, लो.नि.वि., सूरजपुर संभाग सूरजपुर।
7/ बजट शाखा प्रमुख अभियंता, कार्यालय (कृपया वर्ककोड तत्काल जनरेट करें) की ओर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित।

सहपत्र :- स्वीकृत प्राक्कलन स.क्र. 6 हेतु।

उप सचिव
छत्तीसगढ़ शासन, लोक निर्माण विभाग

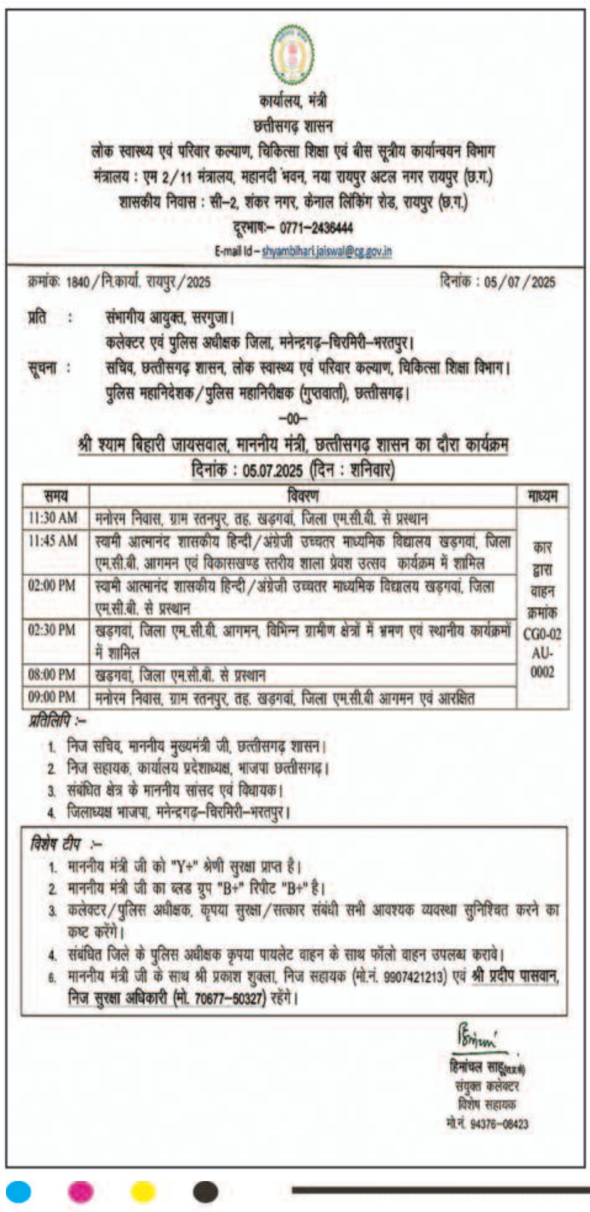

कार्यालय, मंत्री
छत्तीसगढ़ शासन
लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा एवं बीस सूत्रीय कार्यान्वयन विभाग
मंत्रालय : एम 2/11 मंत्रालय, महानदी भवन, नया रायपुर अटल नगर रायपुर (छ.ग.)
शासकीय निवास : सी-2, शंकर नगर, केनाल लिंकिंग रोड, रायपुर (छ.ग.)
दूरभाषः- 0771-2436444
E-mail Id - shyambihari.jaiswal@cg.gov.in

क्रमांक: 1840/नि.कार्या. रायपुर/2025 दिनांक : 05/07/2025

प्रति : संभागीय आयुक्त, सरगुजा।
कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक जिला, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर।

सूचना : सचिव, छत्तीसगढ़ शासन, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा विभाग।
पुलिस महानिदेशक/पुलिस महानिरीक्षक (गुप्तवार्ता), छत्तीसगढ़।

-00-

श्री श्याम बिहारी जायसवाल, माननीय मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन का दौरा कार्यक्रम
दिनांक : 05.07.2025 (दिन : शनिवार)

समय	विवरण	माध्यम
11:30 AM	मनोरम निवास, ग्राम रतनपुर, तह. खड़गवां, जिला एम.सी.बी. से प्रस्थान	कार द्वारा वाहन क्रमांक CG0-02 AU-0002
11:45 AM	स्वामी आत्मानंद शासकीय हिन्दी/अंग्रेजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़गवां, जिला एम.सी.बी. आगमन एवं विकासखण्ड स्तरीय शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम में शामिल	
02:00 PM	स्वामी आत्मानंद शासकीय हिन्दी/अंग्रेजी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खड़गवां, जिला एम.सी.बी. से प्रस्थान	
02:30 PM	खड़गवां, जिला एम.सी.बी. आगमन, विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण एवं स्थानीय कार्यक्रमों में शामिल	
08:00 PM	खड़गवां, जिला एम.सी.बी. से प्रस्थान	
09:00 PM	मनोरम निवास, ग्राम रतनपुर, तह. खड़गवां, जिला एम.सी.बी आगमन एवं आरक्षित	

प्रतिलिपि :-
1. निज सचिव, माननीय मुख्यमंत्री जी, छत्तीसगढ़ शासन।
2. निज सहायक, कार्यालय प्रदेशाध्यक्ष, भाजपा छत्तीसगढ़।
3. संबंधित क्षेत्र के माननीय सांसद एवं विधायक।
4. जिलाध्यक्ष भाजपा, मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर।

विशेष टीप :-
1. माननीय मंत्री जी को "Y+" श्रेणी सुरक्षा प्राप्त है।
2. माननीय मंत्री जी का ब्लड ग्रुप "B+" रिपीट "B+" है।
3. कलेक्टर/पुलिस अधीक्षक, कृपया सुरक्षा/सत्कार संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करने का कष्ट करेंगे।
4. संबंधित जिले के पुलिस अधीक्षक कृपया पायलेट वाहन के साथ फॉलो वाहन उपलब्ध करावे।
6. माननीय मंत्री जी के साथ श्री प्रकाश शुक्ला, निज सहायक (मो.नं. 9907421213) एवं श्री प्रदीप पासवान, निज सुरक्षा अधिकारी (मो. 70677-50327) रहेंगे।

हिमांचल साहू
संयुक्त कलेक्टर
विशेष सहायक
मो.नं. 94376-08423

सोनहत विकासखण्ड से सूरजपुर जिले की सीमा पर लगे ग्राम रसौकी का मामला

पूर्ववर्ती सरकार में सड़क व पुल निर्माण के लिए 23 करोड़ की हुई थी स्वीकृति

नई सरकार ने रोका दिया काम:पारसनाथ राजवाड़े पूर्व विधायक

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के विधानसभा क्षेत्र का है मामला

क्या ऐसे दृश्य देख कर भी सरकारों का नही पसीज रहा दिल?

कांग्रेस सरकार में स्वीकृत थी सड़क भाजपा सरकार ने रोका:पारस नाथ राजवाड़े

इस सबन्ध में भटगांव विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक पारस नाथ राजवाड़े ने जानकारी देते हुए बताया कि रसौकि से नवाटोला तक 12 किलोमीटर सड़क पुल पुलिया सहित स्वीकृत हुआ था जिसकी लागत 23 करोड़ 46 लाख की थी, इसके लिए 5 जनवरी 2023 को ही स्वीकृति आदेश एवं राशि जारी हो गई थी लेकिन सरकार बदलने के बाद सुशासन के नाम का वादा करके आई नई सरकार ने उक्त सड़क का कार्य रोक दिया और स्थिति आज भी दयनीय है, पूर्व विधायक ने आरोप लगाते हुए कहा यही नही हरिहरपुर से घुइडी तक मुख्य मंत्री ग्राम सड़क के तहत पक्की सड़क पुल पुलिया सहित स्वीकृत हुआ था,इसे भी रोक दिया गया यह दोनों क्षेत्र कोरिया जिले की सीमा से टच होते हैं, पूर्व सरकार में मैंने इसे स्वीकृत कराया था ताकि सीमावर्ती ग्रामो को इसका लाभ मिल सके लेकिन पूर्व सरकार के कार्यो पर रोक लगा दिया गया जिसका खामियाजा ग्रामीणों को भुगतना पड़ रहा है।

क्या ओछी राजनीति का शिकार हो रहा क्षेत्र ?

पूर्व विधायक का कहना है सड़क स्वीकृत थी,जिसे रोक दिया गया, यह वर्तमान सरकार और मंत्री पर भी गम्भीर सवाल खड़ा करता है,क्या श्रेय लेने की राजनीति ने सड़क और पुल पुलिया के निर्माण पर ग्रहण लगा दिया, क्या पूर्व सरकार के स्वीकृत कार्यो को वर्तमान सरकार नही कराना चाहती? बहर हाल जो भी हो पर वर्तमान में नुकसान जनता का हो रहा है।

पुल के साथ सड़क का निर्माण जल्द हो:अवध यादव

इलाके के सामाजिक कार्यकर्ता अवध यादव ने कहा कि रसौकी से उमझर मार्ग अत्यंत जर्जर एवं नदी पर पुल नही होने से भारी परेशानी हो रही है, बरसात में बहुत दिक्क्त है,स्वस्थ्य एवं शिक्षा के लिए लोग परेशान होते है, आपात स्थिति में एम्बुलेंस नही पहुच पाती, शासन प्रशासन को जल्द संज्ञान लेकर सड़क एवं पुल की व्यस्था करनी चाहि वही महेश यादव ने कहा कि बरसात बहुत परेशानी है ब्लॉक मुख्यालय जाने के लिए एक ही नदी को 3 बार पार करके जाना पड़ता है, आपात स्थिति में कोरिया जिले के सोनहत ब्लॉक पर निर्भर होना पड़ता है पर वहां पहुचने में भी सेमरिया घाट की चढ़ाई चढ़नी पड़ती है, शासन से गांव की मांग है जल्द सड़क एवं पुल बने।

मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े का विधानसभा क्षेत्र का ग्राम है रसौकी

रसौकी उमझर ग्राम मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के भटगांव विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत आता है,रसौकि से बिहारपुर लगभग 30 किलोमीटर के आस पास की दूरी है जिसमे ग्रामीणों की माने तो लगभग 20 किलोमीटर की सड़क पिछ्ली सरकारों में बनाई जा चुकी है लेकिन यह 12 किलोमीटर के कच्चे रास्ते के पक्के होने की उम्मीद ग्रामीणों ने मंत्री महोदया से लगा रखा है,अब लोगो की उम्मीदें एवं मांग कब पूरी होगी ये तो आने वाला वक्त ही बताएगा।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित है इधर के ग्रामीण अंचल

रसौकी ग्राम में मूल भूत सुविधा सड़क बिजली पानी का सर्वथा अभाव रहा है वर्तमान में भी मूल भूत सुविधाओ को लेकर काफी जद्दो जहद है। आलम है कि लंबे समय से परेशानी झेल रहे ग्रामीण अब अपनी नियति को कोसने लगे है, खराब सड़क के कारण लोगो खास कर शिक्षा स्वस्थ्य की परेशानी हमेशा लगी रहती है। इस सबन्ध में ग्राम सरपँच सहित ग्रामीणों ने कई बार कलेक्टर सूरजपुर सहित जनप्रतिनिधियों और शिविरों में आवेदन देकर मांग किया लेकिन अभी तक कोई कार्यवाही नही होने से ग्रामीण मायूस हैं, ग्रामीणों की मांग है कि शीघ्र पुल और सड़क का निर्माण हो ताकि ग्राम वासी मुख्य धारा से जुड़ सके।

सूरजपुर जिले के रसौकी से उमझर मार्ग पर पुल नही

ग्राम पंचायत रसौकी सुरजपुर जिले में पड़ता है जो कि कोरिया जिले का सीमावर्ती जिला है जहां से बरंगा नदी बहती हैं , और यह नदी इतनी घुमाव दार है कि इस नदी की रसौकि से उमझर के बीच मे तीन जगह पर पार करना पड़ता है ,जिसे लोग रोज जान जोखिम में डालकर नदी पार करते हैं,इस सम्बद्ध में रसौकी के महेश एवं अवध यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि रसोकी निवासी एक बीमार ग्रामीण को अस्पताल के ले जाने के लिए गांव के ही दूसरे व्यक्ति ने अपने पीठ पर बिठाकर नदी पार कराई इसके बाद बाइक को भी दो लोगो न कंधे पर उठा कर नदी पार कराया जिसके बाद मरीज को हॉस्पिटल लेजाया गया। अवध यादव ने बताया कि मुख्य सड़क मार्ग कोरिया जिले से सुरजपुर जिले बिहारपुर मुख्य मार्ग है जो कि पूरा 20 किलोमीटर कच्ची सड़क है।

रसौकी में पूरे बरसात रहता है यही हाल

महेश यादव का कहना है कि बिहारपुर तहसील का रसौकि गांव है। जो दुरस्त पहाड़ी क्षेत्र में है और उस गांव में जाने के लिए एक नदी है है, जिसमे में आज भी पुल नहीं बन पाया है और लोगों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है,मरीजों को लाने ले जाने के लिए 108 एंबुलेंस नहीं पहुंच रही है। वहां विशेष पिछड़ी जनजाति सहित कई समाज के लोग जीवन यापन करते हैं। उल्लेखनीय है कि सरकार बड़े-बड़े वादे करती है, राशि उपलब्ध कराती है लेकिन धरातल पर विकास कार्य नहीं दिख रहा है।

पूर्ववर्ती सरकार में स्वीकृत हुई थी सड़क

पूर्व वर्ती कांग्रेस की सरकार में तत्कालीन विधायक पारस नाथ राजवाड़े के प्रयासों से सड़क निर्माण कराया गया था लेकिन उक्त सड़क उमझर आस पास तक ही बनाई गई रसौकि से उमझर तक रस्ता अभी भी कच्चा ही है,नई सरकार बनने के बाद से लोगो मे उम्मीद जगी थी कि बची हुई सड़क का निर्माण होगा लेकिन अभी तक ग्रामीणों के हाथ मायूसी ही लगी है

बंदरों का आतंक

बैकुंठपुर के कटकोना में लोगों का रहना हुआ दूभर...

प्रतिदिन बंदरों के हमले से घायल हो रहे लोग

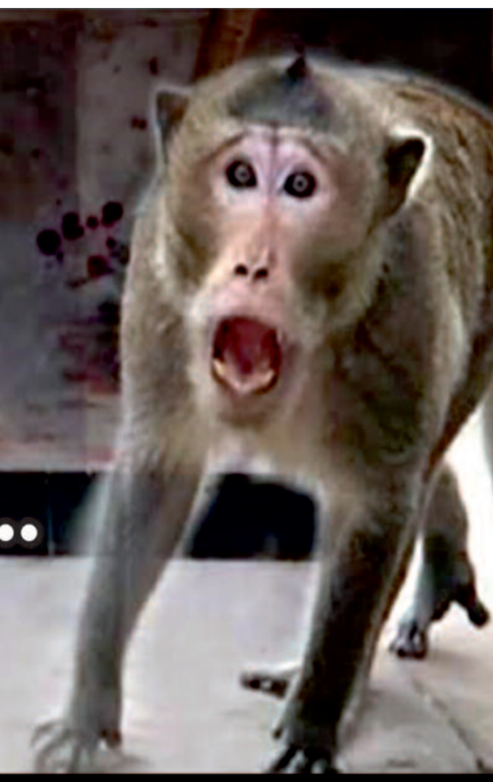

कटकोना क्षेत्र में बंदरों की संख्या इंसानों की संख्या से हुई पार...प्रवासियों की संख्या से दुगने हो गए हैं बंदरों की संख्या

पिछले 1 महीने में दर्जनों लोग बंदरों के हमले से हुए घायल, एक की हुई मौत

चलती गाड़ी पर भी कूद रहे हैं बंदर और मोटरसाइकिल वाले हो रहे हैं दुर्घटना का शिकार

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर/पटना,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के बैकुंठपुर विकासखंड के ग्राम कटकोना में बंदरों का आतंक अब ग्रामवासियों को भयभीत कर रहा है और प्रतिदिन रहवासी बंदरों के हमले के शिकार हो रहे हैं और कई मामलों में बुरी तरह घायल हो रहे हैं और एक मामले में एक व्यक्ति की मृत्यु भी हो चुकी है जैसी सूचना मिल रही है।

बता दें कि कटकोना ग्राम एसईसीएल के कर्मचारियों का भी रहवासी क्षेत्र है,इस ग्राम में ही एसईसीएल (कोयला खदान) के अधिकारियों कर्मचारियों की कालोनियां हैं,इन कालोनियों में हजारों लोग अधिकारी कर्मचारी निवास करते हैं और आज इन हजारों कालोनी निवासियों सहित ग्राम के अन्य निवासियों का जीना दूभर हो चुका है और वह बंदरों के आतंक से लगातार डरे सहमे हैं,बंदरों की संख्या आज ग्राम के लोगों से अधिक हो चुकी है और बंदरों द्वारा लगातार ग्राम के लोगों को अपने आतंक का शिकार बनाया जा रहा है,कालोनी सहित ग्राम के लोग दो पहिया वाहन में हों या पैदल या अन्य साधनों से बंदरों के द्वारा उन्हें लगातार घायल करने का काम किया जा रहा है और कई बार दोपहिया वाहन चालक इसी वजह से दुर्घटना का भी शिकार हो जा रहे है हैं। एक व्यक्ति मृत्यु भी इस हमले में हुई है। ग्रामीणों सहित कालोनी निवासियों का कहना है कि उनकी इस बंदर वाली समस्या का हल कोई नहीं कर रहा है और

वह आतंक के साए में जीने मजबूर हैं। ग्राम के लोगों के अनुसार पहले बंदर खाने पीने की चीजों पर धावा बोलते थे अब बंदर लोगों पर सीधे अक्रमण कर रहे हैं उन्हें नुकसान शारीरिक पंहुचा रहे हैं,ग्राम के लोगों का कहना है कि पहले खाने पीने की चीजें लोग बचाते थे बंदरों से अब वह जान बचाने मजबूर हैं। बंदरों के मामले में उनके आतंक के मामले में कोई ग्राम के लोगों की ओर ध्यान नहीं दे रहा है और इनसे छुटकारा कैसे मिले यह कोई नहीं चाहता ऐसा ग्राम के लोगों का कहना है।

बंदरों की बढ़ती जनसंख्या बनी परेशानी

कटकोना में बंदरों की संख्या काफी अधिक हो चुकी है,पहले यह संख्या कम थी तब समस्या कुछ कम थी उनका आतंक भी कम था अब लेकिन संख्या लोगों से ग्रामवासियों से अधिक हो चुकी है,ग्रामवासियों के अनुसार बंदरों की संख्या की मुख्य वजह खाने पीने की चीजों की कमी है जो जंगलों में कम हुई इसलिए वह कालोनियों की तरफ पलायन कर रहे हैं।

दो प्रजातियों के बंदर...दोनों बने हैं समस्या

कटकोना में दो प्रजाति के बंदर हैं,एक लाल मुंह वाले एक काले मुंह वाले,पहले केवल लाल मुंह वाले अक्रामक हुआ करते थे अब बताया जा रहा है कि काले मुंह वाले भी अक्रामक हो चुके हैं। बंदरों का अक्रामक होना ग्राम वासियों के लिए घातक हो चुका है और अब लोग जान बचाने भागते फिर रहे हैं।

राह पर बाइक से चलने वालों पर भी करते हैं हमला दुर्घटना का भी खतरा ऐसे में ही जा चुकी है एक महिला की जान

राह पर बाइक से चलने वाले लोग भी बंदरों के आतंक से उनके हमले से शिकार हो रहे हैं,चलती बाइक पर भी वह इंसानों पर हमला कर दे रहे हैं। एक महिला की जान इसी वजह से जा चुकी है।

वन विभाग कटकोना क्षेत्र के बंदरों को लेकर गंभीर नहीं

वन विभाग पूरे मामले में मौन है,वह बंदरों को लेकर अनभिज्ञ बना हुआ है और बंदरों का आतंक बढ़ा हुआ है,वन विभाग एक तरह से केवल निर्माण एजेंसी मात्र बनकर ही निश्चिंत है वह वन प्राणियों के विषय में ध्यान देने फुर्सत का भी वक्त नहीं निकाल पा रहा है।

बंदर के हमले से हुए घायलों को नहीं मिलता मुआवजा

बंदरों के हमले से घायल लोगों को मुआवजा भी नहीं मिलता,ग्राम जन खुद से इलाज कराने मजबूर हैं,ऊपर से क्षेत्र में रेबीज के इंजेक्शन भी नहीं मिलते हैं मार्केट से खरीद कर अधिकतम दाम पर लोगों को बंदर काटने के बाद यह इंजेक्शन लेना पड़ता है।

शाला प्रवेश कार्य्रक्रम में बच्चों संग बैठकर स्वास्थ्य मंत्री ने लिया न्योता भोज का आनंद

जिस स्कूल में पढ़े आज उसी स्कूल में रहे मुख्यअतिथि,बच्चों से खुद को बड़ा करने की दी प्रेरणा

-संवाददाता-

एमसीबी/खड़गवा,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। मैं चाहता हूँ कि खड़गवां क्षेत्र का हर बच्चा पढ़ लिखकर मुझसे आगे बढे,लेकिन मैं यहां उपस्थित लोगों से कहना चाहता हूं कि बच्चे अभी कोमल मिट्टी के है,हम जिस रूप में उनको गढ़ेंगे उस रूप में बनेंगे। हम सभी लोगों का सामूहिक कर्तव्य है कि शिक्षा को किस प्रकार से बच्चों के आने वाले जीवन में एक सर्वांगीण शिक्षा हो,जिसे हम संस्कारिक, नैतिक और जीवन का उपार्जन करने वाला हो,इस तरह की शिक्षा हमे देना है। उक्त बाते स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने खड़गवां के स्वामी आत्मानंद विद्यालय में नए सत्र की शुरुआत शाला प्रवेश कार्य्रक्रम के तहत कही, उन्होंने आगे कहा कि हो सकता है कई चीजें सिलेबस में ना हो फिर भी शिक्षकों को इन सब का ज्ञान बच्चों को देना चाहिए,इसके लिए हो सके तो अलग से एक पीरियड संरक्षित करके नैतिक शिक्षा और भारत की पुरानी विरासत तथा पुरानी संस्कृति, आध्यात्म,विज्ञान का ज्ञान प्रदान करना है ताकि उनका सर्वांगीण विकास हो सके। श्री जायसवाल ने एकलव्य का ज्रिक्र करते हुए गुरु और शिष्य की पुरानी परंपरा से भी बच्चों को अवगत कराया,इस दौरान भगवान राम के गुरु और भगवान कृष्ण के गुरु का भी ज्रिक्र किया। उन्होंने कहा कि एक कविता है जो फिलहाल मेरे ध्यान में नहीं लेकिन ये सच है कि गुरु के बिना ज्ञान की कल्पना नहीं की जा सकती है। उन्होंने वर्तमान हालात में सरकारी संस्थाओं पर से उठे आम लोगों के विश्वास को पुनः विश्वास करने की दिशा में लगातार प्रयास करने की बात कही। सरकारी संस्थाओं के संदर्भ में बोलते हुए श्री जायसवाल ने कहा कि 100 लोगों के बीच यदि सर्वे कराया जाए कि आप सरकारी या प्राइवेट में पढ़ाने की बात हो या इलाज फ्री में कराने की बात हो, तो आप पाएंगे कि लगभग लोग प्राइवेट में जाना चाहेगे और मैं इसी सरकारी और गैर सरकारी के बीच बनी खाई को दूर करने का प्रयास स्वास्थ्य मंत्री बनने के साथ से करता आ रहा हूं।

ज्ञात हो कि प्रदेश में चल रहे शाला प्रवेश की कड़ी में आज खड़गवां के स्वामी आत्मानंद विद्यालय में बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ 15 बच्चों को तिलक, मिठाई और किताब देकर शाला प्रवेश कराया गया। इस अवसर पर विद्यालय के मेरिट बच्चों को मैडल देकर मुख्य अतिथि के हाथों सम्मानित भी कराया गया। कार्य्रक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा में दीप प्रज्वलित और बच्चों के स्वागत गीत प्रस्तुति के साथ हुआ। इस

दौरान मंचासीन अतिथियों ने अपने अपने उद्बोधन के माध्यम से उपस्थित विद्यालय के बच्चों को अपना आशीर्वचन प्रदान किया। आपको बताते चले कि खेलकूद के मेरिट लिस्ट की राष्ट्रीय सूची में कुमारी मानमति,ज्योति,राकेश और अनिल शामिल रहे वही 10 वी में हिंदी माध्यम से सूरज और बंशीलाल 93.5 प्रतिशत तथा 12 वीं से आशीष सोनवानी 88 प्रतिशत और 10 वी अंग्रेजी माध्यम से सुनीता खलखो 90 प्रतिशत व 12 वीं में प्रिया साहू 85 प्रतिशत को मैडल पहनाकर सम्मानित किया गया। कार्य्रक्रम के अंत में आयोजनकर्ताओं की ओर से मुख्य अतिथि सहित मंच पर आसीन अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया साथ कैंपस के भीतर वृक्षारोपण और न्योता भोज का आयोजन संपन्न कराया गया। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री बच्चों के साथ बैठकर न्योता भोज का आनंद उठाए और बच्चों के साथ अपने अनुभवों को साझा किये। इस खास शाला प्रवेश कार्य्रक्रम में मुख्य रूप से जनपद पंचायत खड़गवा अध्यक्ष श्रीमति श्याम बाई मरकाम, शिक्षा समिति के अध्यक्ष धनंजय पांडे, जनपद पंचायत खड़गवां उपाध्यक्ष वीरेंद्र सिंह करीयाम, खड़गवां पंचायत सरपंच सुखित लाल अगरिया, मंडल अध्यक्ष भाजपा धरमपॉल सिंह,मंडल महामंत्री रमेश जायसवाल,एसडीएम खड़गवां, ब्लाक शिक्षा अधिकारी, सहित स्वामी आत्मानंद विद्यालय व हिंदी मीडियम कक्षाओं के स्टॉप सहित भारी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राएं,नन्हे मुन्ने बच्चे और पालक उपस्थित रहे।

कुआंभट्ठा देसी शराब दुकान के सामने बीच सड़क पर मदिरा प्रेमी कर रहे मदिरा का सेवन,राहगीर परेशान

-संवाददाता-

कोरबा,05 जुलाई 2025 (घटती-घटना)। कोरबा अंचल मानिकपुर चौकी क्षेत्र में संचालित कुआंभट्ठा देसी शराब दुकान के बाहर इन दिनों शराबियों का जमावड़ा देखने को मिल रहा हैं, आरोप लगाते हुए बताया जा रहा हैं की शराबी देसी शराब दुकान से शराब लेकर बीच सड़क पर बैठकर शराब का सेवन कर रहे हैं और मार्ग से गुजरने वाली महिलाएं को अश्लील इशारा करते हुए छेड़खानी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। उक्त शराबभट्ठी के सामने कई कार्यालय संचालित है,

जिसमें युवक-युवती व महिलाएं काम करती हैं। कार्यालय में काम करने वाले युवक-युवती का आना-जाना इसी मार्ग से होता है एवं शराबियों के बीच सड़क पर बैठे रहने से कर्मचारियों के मन में भय की स्थिति बनी हुई है, जरूरत है इन पर कार्यवाही हो,जिससे इनका मनोबल न बढे।

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER,(E&M)DIVISION
PUBLIC HEALTH ENGG.DEPTT.AMBIKAPUR(C.G)

No. 03/2025-2026/TS/E.E/E&M/ Dn./P.H.E.D./Ambikapur   Date 02/07/2025

Notice Inviting Tender

Sealed tenders are invited on behalf of Governor of Chhattisgarh on Form "B" for job work carried out as mentioned below from the manufacturer or their authorized dealers having e&perience to do such type of work

S.No.	Brief Description of Materials	Qty
1	Demounting of BBE 57/No.-02 Rig from old chassis and same remounting on departmental new Ashok Leyland 1920 truck chassis (20 feet chassis) with necessary modification, repairs, fabrications and refurbishing for construction of 150mm Dia 150 meters deep borewells by DTH method, including installation trial and testing as per details technical specification given in scope of work (Annexure-B) (rates may clearly be quoted with all taxes, charges and labour charges)	01 job

Note:- 01. Cost of Tender From -750-00
02. Estimated Cost (In Rs.):-1162300-00
03. Earnest Money (In Rs.): 11650-00
04. Bid Submission Date: 02/07/2025 to 31/07/2025
05. Terms of tender and details of material can be seen in the office during office hours.
06. Conditional tender will not be accepted.

EXECUTIVE ENGINEER,
(E&M)P.H.E.D Division,
AMBIKAPUR(C.G)

R.O. No.: 252601998/5

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02 जिला-सरगुजा. छ0ग0

रा.प्र.क.202506021700026 /अ-24/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक प्रेमानन्द तिग्गा आ0 इलियाजर तिग्गा,निवासी गोधनपुर, अम्बिकापुर,तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा इस आशय का आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि आवेदक के नाम पर ग्राम सरगवां में भूमि खसरा नंबर 890/1 रकबा 0.026 हे0 स्थित है, जो उसके निजी स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि है। आवेदक अपने निजी स्वामित्व की भूमि खसरा नंबर 890/1 रकबा 0.026 हे0 को छ0ग0 शासन को त्यजन करना चाहता है। आवेदक द्वारा अपने आवेदन के साथ भूमि त्यजन का निर्धारित प्रारूप-क (नियम 1) की प्रति संलग्न किया गया है उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 09/07/2025 से पूर्व न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के वाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 12/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील   नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03 जिला-सरगुजा.छ0ग0

रा.प्र.क.202506022900011 /ब-121/2024-25

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रेशमा परवीन पति समीम अंसारी निवासी नवागढ़,तहसील अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 द्वारा अपने स्वामित्व की ग्राम नवागढ़ तहसील अम्बिकापुर स्थित भूमि खसरा नंबर 145/27 रकबा 0.08 हे0 भूमि को अनावेदक सहाना खातून पति आजाद अहमद निवासी खरसिया नाका अम्बिकापुर जिला सरगुजा छ0ग0 के पास 11,00,000 रूपए में सौदा तय कर बतौर अग्रिम राशि 9,10,000 रूपए प्राप्त कर बिक्री अनुमति आवेदन पत्र कलेक्टर महोदय सरगुजा के समक्ष प्रस्तुत किया गया है जो जांच प्रतिवेदनार्थ इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है।

उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 17.07.2025 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 19/06/ 2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील   नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-03

संक्षिप्त खेल की खबरें

एशियाई चैंपियन दिव्यांशी को टीटीएफआई का नकद पुरस्कार

हैदराबाद,05 जुलाई 2025। टेबल टेनिस फेडरेशन ऑफ इंडिया (टीटीएफआई) की अध्यक्ष मेघना अहलावत ने दिव्यांशी भौमिक को 5 लाख रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की,जिन्होंने इस सप्ताह की शुरुआत में ताशकंद में एशियाई जूनियर और कैडेट टेबल टेनिस चैंपियनशिप 2025 में अंडर-15 लड़कियों के एकल खिताब जीतकर भारत के लिए 36 साल के लंबे खिताबी सूखे को समाप्त किया। अहलावत ने कहा, यह एक युवा एथलीट के लिए एक अच्छी तरह से योग्य प्रोत्साहन है, जिसने अपने पहले प्रदर्शन में एक शानदार उपलब्धि हासिल की-खिताब के रास्ते में तीन चीनी और एक जापानी खिलाड़ी को हराया। हमारा मानना है कि इस तरह के पुरस्कार न केवल उसकी आकांक्षाओं को बढ़ावा देंगे,बल्कि अन्य युवा प्रतिभाओं को अपने सपनों का पीछा करने और अंतरराष्ट्रीय पहचान हासिल करने के लिए प्रेरित करेंगे। मुंबई की 14 वर्षीय खिलाड़ी ने लगभग एक घंटे तक चले कड़े मुकाबले में चीन की झू किहुई को 4-2 से हराकर इतिहास रच दिया। इससे पहले दिन में उन्होंने चीन की लियू ज़ीलिंग के खिलाफ़ एक रोमांचक सेमीफाइनल में 4-3 से जीत दर्ज की।

भवानी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में स्वर्ण पदक जीता

हैदराबाद,05 जुलाई 2025। आंध्र प्रदेश की वी भवानी ने चेक गणराज्य के ओलोमौक में विश्व पैरा एथलेटिक्स महिला ग्रैंड प्रिक्स में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता, जब उन्होंने टी46 श्रेणी में 100 मीटर का स्वर्ण पदक जीता। नेल्लोर की रहने वाली भवानी ने गुरुवार को 200 मीटर स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीता। उन्हें नेल्लोर के जिला खेल प्राधिकरण में एसएएपी एथलेटिक्स कोच एसके जसीम द्वारा प्रशिक्षित किया जा रहा है। एपी पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन जी. वेंकटेश्वर राव, एसएएपी के अध्यक्ष रवि नायडू ने भवानी को उनकी उपलब्धि पर बधाई दी।

संजू सैमसन पर हुई पैसों की बारिश

» लीग इतिहास में बने सबसे महंगे खिलाड़ी

» इस टीम से दिखेंगे खेलते हुए...

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025। केरल क्रिकेट लीग के दूसरे सीजन को लेकर 5 जुलाई को तिरुवनंतपुरम में आयोजित की गई प्लेयर ऑक्शन प्रक्रिया में भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन पर पैसों की बरसात देखने को मिली। सैमसन इस लीग में अब तक के सबसे महंगे खिलाड़ी बन गए हैं,जिसमें वह दूसरे सीजन में कोच्चि ब्लू टाइगर्स की टीम से खेलते हुए दिखाई देंगे। इस ऑक्शन में सभी टीमों को कुल 50 लाख रुपए का पर्स खर्च करने के लिए दिया गया था,जिसमें सिर्फ सैमसन को लेने के लिए उनकी टीम ने 50 फीसदी से अधिक राशि खर्च कर दी।

सैमसन को इतने लाख में कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने अपनी टीम का बनाया हिस्सा

संजू सैमसन को केरल क्रिकेट लीग के दूसरे सीजन में अपनी टीम का हिस्सा बनाने के लिए कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने अपने पर्स से कुल 26.80 लाख रुपए खर्च कर दिए। ऑक्शन के समय सैमसन एक समय त्रिशूर टाइटन्स टीम का हिस्सा बनने वाले थे,जिसमें उन्होंने 20 लाख रुपए की बोली लगा दी थी। इसके बाद कोच्चि ब्लू टाइगर्स ने सभी को चौंकाते हुए बोली को बढ़ा दिया और सैमसन को लेने में कामयाब रहे। प्लेयर ऑक्शन में संजू सैमसन को 5 लाख रुपए के बेस प्राइज पर शामिल किया गया था। इससे पहले साल 2024 में जब केरल क्रिकेट लीग का पहला सीजन खेला गया था तो उस समय सैमसन इस लीग के ब्रांड एंबेसडर बने थे।

अब तक ऐसा रहा है टी 20 फॉर्मेट में सैमसन का प्रदर्शन

टी20 क्रिकेट में संजू सैमसन की गिनती आक्रामक ओपनिंग बल्लेबाजों में की जाती है, जिसमें वह पिछले कुछ सालों से आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स टीम की कप्तानी को संभाल रहे हैं। संजू सैमसन के टी20 फॉर्मेट में प्रदर्शन को लेकर बात की जाए तो उन्होंने अब तक कुल 304 मैचों में 29.68 के औसत से 7629 रन बनाए हैं। इस दौरान सैमसन के बल्ले से 6 शतकीय और 48 अर्धशतकीय पारियां देखने को मिली हैं, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 137.01 का रहा है।

मैच में दिखा पैट कमिंस का करिश्माई कैच

» पैट कमिंस का यह कैच देखकर फटी रह जाएंगी आंखें

» हवा में छलांग लगाकर एक हाथ से पकड़ा अद्भुत कैच

मेलबर्न,05 जुलाई 2025। ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट कप्तान पैट कमिंस विरले खिलाड़ी हैं। मुश्किल परिस्थितियों में गेंद और बल्ले दोनों से कमाल करने के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने फील्डिंग में हैरतअंगेज कारनामा कर दिखाया है। दरअसल, वेस्टइंडीज दौरे पर टेस्ट सीरीज के दूसरे मुकाबले में उन्होंने करिश्माई कैच लपकते हुए सनसनी मचा दी। उनका ये शानदार कैच अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। पैट कमिंस ने दूसरे टेस्ट के दूसरे दिन अपनी ही गेंद पर ऐसा कैच लपका, जिसे देख हर कोई हैरान रह गया। एक पल के लिए किसी को भी यकीन नहीं हुआ कि गेंद को कमिंस ने पकड़ लिया है। कमिंस ने इस कैच को पकड़ने के लिए अपनी पूरी ताकत झोंक दी,नतीजा ये हुआ कि फैंस को क्रिकेट के सबसे बेहतरीन कैच में से एक देखने को मिल गया। वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि कैसे पैट कमिंस इस कैच को पकड़ने के लिए चोट की परवाह किए बिना किस हद तक चले गए।

पैट कमिंस ने मचाई सनसनी

पैट कमिंस का ये शानदार कैच वेस्टइंडीज की पहली पारी के 9वें ओवर में देखने को मिला। वेस्टइंडीज के बल्लेबाज कीसी कार्टी ओवर की दूसरी गेंद का सामना करने के लिए तैयार थे। कमिंस ने गुड लेंथ की गेंद फेंकी,जिस पर कार्टी ने डिफेंस करने की कोशिश की लेकिन गेंद बल्ले का किनारा लेकर पैड पर लगी और फिर हवा में उछल गई। गेंद हवा में देख कमिंस खुद को रोक नहीं पाए और फॉलो-थ्रू पूरा किए बिना ही गेंद की दिशा में तेजी से दौड़ पड़े। गेंद बस मैदान को छूने ही वाली थी कि कमिंस ने लंबी डाइव लगाई और एक हाथ से गेंद को लपक लिया। एक पल के लिए किसी को यकीन ही नहीं हुआ कि गेंद कमिंस के हाथ में आ चुकी है। खुद कीसी कार्टी भी हक्के-बक्के रह गए।

वेस्टइंडीज ने किया निराश

ग्रेनाडा में खेले जा रहे इस दूसरे टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी 286 रनों पर सिमट गई। इसके जवाब में वेस्टइंडीज भी सिर्फ 253 रन बना सकी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से नाथन लियोन ने सबसे ज्यादा 3 विकेट अपने नाम किए। जोश हेजलवुड और कप्तान कमिंस के खाते में 2-2 विकेट आए।

डी. गुकेश:प्रतिभा से विश्व चैंपियन तक

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025। भारतीय शतरंज को डी. गुकेश के रूप में नई राह मिली है, जिनकी विलक्षण प्रतिभा से विश्व चैंपियन बनने की शानदार यात्रा ने वैश्विक शतरंज प्रेमियों को आकर्षित किया है। मात्र 19 वर्ष की उम्र में गुकेश न केवल भारतीय शतरंज के इतिहास को फिर से लिख रहे हैं,बल्कि खेल के आधुनिक महान खिलाड़ियों में खुद को मजबूती से स्थापित कर रहे हैं। उनकी नवीनतम जीत क्रोएशिया के ज़ाग्रेब में प्रतिष्ठित सुपरयूनाइटेड रैपिड एंड ब्लिट्ज़ टूर्नामेंट में हुई,जो 2025 ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है। गुकेश ने संभावित 18 में से 14 अंक लेकर रैपिड खिताब जीता,जिसमें उल्लेखनीय सामरिक गहराई, अडिग धैर्य और चैंपियन जैसी मानसिकता का प्रदर्शन किया।

किदांबी श्रीकांत ने कनाडा ओपन के सेमीफाइनल में बनाई जगह

वर्ल्ड नंबर 6 खिलाड़ी को दी करारी शिकस्त

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025। भारतीय बैडमिंटन स्टार किदांबी श्रीकांत ने कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मेन्स सिंगल्स के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। श्रीकांत ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के टॉप सीड और विश्व नंबर 6 चोउ टिएन चेन को सीधे गेमों में हराकर बड़ी जीत दर्ज की। 43 मिनट तक चले इस मुकाबले में श्रीकांत ने चेन को 21-18, 21-9 से शिकस्त दी। इस शानदार जीत के बाद अब सेमीफाइनल में उनका सामना जापान के तीसरे वरीय केंटा निशिमोटो से होगा।

श्रीकांत ने दिखाया दमदार खेल

मैच की शुरुआत में श्रीकांत ने आक्रामक रुख अपनाते हुए 5-0 की बढ़त बना ली थी। हालांकि चोउ टिएन चेन ने वापसी करते हुए स्कोर 16-16 से बराबर कर लिया। इसके बाद श्रीकांत ने अगले 6 में से 5 अंक अपने नाम कर पहला गेम जीत लिया। दूसरे गेम में भी श्रीकांत का दबदबा बरकरार रहा। इंटरवल तक उन्होंने 11-6 की बढ़त हासिल कर ली और फिर एक के बाद एक अंक लेकर 19-7 की निर्णायक बढ़त बनाई। अंत में उन्होंने दूसरा गेम और मुकाबला अपने नाम कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया।

सेमीफाइनल में निशिमोटो से होगी भिड़ंत

अब श्रीकांत का सामना सेमीफाइनल में जापान के केंटा निशिमोटो से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच अब तक 10 मुकाबले हुए हैं, जिनमें श्रीकांत ने 6 बार जीत दर्ज की है। हालांकि पिछली भिड़ंत में 2023 वर्ल्ड चैंपियनशिप में निशिमोटो ने श्रीकांत को हराया था। ऐसे में इस बार मुकाबला कड़ा और दिलचस्प रहने वाला है।

ओबैदुल्ला कप के पुनरुद्धार में बाधा आने से असलम शेर खान नाखुश

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025। पूर्व हॉकी खिलाड़ी असलम शेर खान इस बात से हैरान हैं कि ओबैदुल्ला कप टूर्नामेंट को वह सम्मान क्यों नहीं दिया जा रहा है, जिसका वह हकदार है, जबकि यह भोपाल की विरासत का हिस्सा÷ है। 1975 में भारत की विश्व कप जीत के

नायक खान ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश सरकार के अधिकारियों की उदासीनता टूर्नामेंट के पुनरुद्धार को प्रभावित कर रही है। उन्होंने बताया कि असलम की अध्यक्षता में गठित समिति ने राज्य के खेल निदेशक और भोपाल के आयुक्त को ई-मेल भेजे, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। खान ने पीटीआई भाषा से कहा, यह सिर्फ हॉकी टूर्नामेंट नहीं है, बल्कि भोपाल की विरासत का हिस्सा है। हमने इस साल इसे पुनर्जीवित करने के लिए हॉकी इंडिया से अनुमति लेने के बाद आयोजन समिति बनाई थी और इसे मई में आयोजित किया जाना था, लेकिन बार-बार संपर्क करने के बावजूद राज्य सरकार की ओर से कोई जवाब नहीं मिला। उन्होंने बताया कि पहले यह टूर्नामेंट 14 अप्रैल से होना था, लेकिन ऐशबाग स्टेडियम की मरम्मत के कारण इसे 22 मई को आयोजित करने का निर्णय लिया गया। उन्होंने कहा, हमने 12 टीमों को आमंत्रित किया था, जिन्होंने अपनी भागीदारी की पुष्टि की है, जिनमें आर्मी इलेवन, रेलवे स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड, भारतीय वायु सेना, भारतीय नौसेना, हॉकी महाराष्ट्र, हॉकी उत्तर प्रदेश, हॉकी झारखंड शामिल हैं।

स्मृति मंधाना ने किया एक और बड़ा कारनामा

ऐसा करने वाली बनी सिर्फ दूसरी भारतीय

नई दिल्ली,05 जुलाई 2025। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार खिलाड़ी स्मृति मंधाना का साल 2025 में अब तक बल्ले से बेहतरीन प्रदर्शन देखने को मिला है। इंग्लैंड के दौरे पर मंधाना ने अपने इसी फॉर्म को टी20 सीरीज में भी जारी रखा हुआ है। इस सीरीज के पहले मैच में जहां उनके बल्ले से बेहतरीन शतकीय पारी देखने को मिली थी तो वहीं तीसरे मैच में वह अर्धशतकीय पारी खेलने में कामयाब रही। स्मृति मंधाना अपनी इस पारी के दम पर इंटरनेशनल क्रिकेट में एक खास क्लब का भी हिस्सा बन गई हैं, जिसमें इससे पहले सिर्फ टीम इंडिया की पूर्व कप्तान मिताली राज हिस्सा थी।

मंधाना ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए 9000 रन

स्मृति मंधाना ने इंग्लैंड महिला टीम के खिलाफ टी20 सीरीज के तीसरे मुकाबले में 56 रनों की पारी खेलने के साथ इंटरनेशनल क्रिकेट में तीनों फॉर्मेट मिलाकर अपने 9000 रनों का आंकड़ा पूरा कर लिया। मंधाना इस आंकड़े को छूने वाली महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में पांचवीं और दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर मिताली राज का नाम है, जिन्होंने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर कुल 10868 रन बनाए हैं। मंधाना ने तीनों फॉर्मेट को मिलाकर अब तक कुल 9044 रन बनाए हैं। इसमें टेस्ट में जहां उनके नाम 987 रन हैं तो वहीं वनडे में वह 4473 और टी20 इंटरनेशनल में 3942 रन बना चुकी हैं।

महिला इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी

मिताली राज (भारत) - 10868 रन

सूजी बेट्स (न्यूजीलैंड) - 10612 रन

चार्लोट एडवर्ड्स (इंग्लैंड) - 10273 रन

स्टेफनी टेलर (वेस्टइंडीज) - 9299 रन

स्मृति मंधाना (भारत) - 9044 रन

16 फ्लॉप फिल्मों के बाद लगा बड़ा झटका, फिर एक फिल्म ने बदल दी जिंदगी,बन गया सुपरस्टार

16 फ्लॉप फिल्में देने वाले ये एक्टर कोई और नहीं बल्कि अमिताभ बच्चन है,जिन्हें आज बॉलीवुड का महानायक कहा जाता है। लेकिन,इस मुकाम को हासिल करना उनके लिए भी बाकी स्ट्रगलर्स की तरह ही था। वह कई उतार-चढ़ाव के बाद सुपरस्टार बने। दुनिया का मेला से बाहर होने और 16 फिल्मों के बॉक्स ऑफिस पर असफल होते ही उन्हें इंडस्ट्री में धीरे-धीरे काम मिलना बंद होने लगा। लेकिन,आज वह जिस भी फिल्म में काम करते है वो सुपरहिट साबित होती है। उनका फिल्म में होना ही बड़ी बात हो जाती है। हाल ही में रजा मुराद ने बिग बी को लेकर कई खुलासे किए। रजा मुराद ने बताया, जब किस्मत उनके पक्ष में थी,तो सब कुछ ठीक हो गया।

फ्लॉप हीरो कैसे बना सुपरस्टार

जंजीर से पहले, प्रकाश मेहरा ने दिलीप कुमार,धर्मेंद्र,देव आनंद और राजकुमार जैसे दिग्गजों को फिल्म ऑफर की थी,लेकिन सभी ने मना कर दिया। फिल्म का एक ही व्यक्ति पर ज्यादा ध्यान केंद्रित होने की वजह से वे डर गए। प्रकाश मेहरा को आखिरकार अमिताभ को लेने के लिए जया बच्चन की सिफारिश करनी पड़ी और फिर अमिताभ की किस्मत चमक गई। उन्होंने 16 फ्लॉप के बाद एक ही सुपरहिट मूवी से इतिहास रच दिया। फिल्मी चर्चा के साथ अपनी बातचीत में,मुराद ने कहा, इंडस्ट्री में सफल होने के लिए आपको 90त्न किस्मत की जरूरत होती है। सही स्क्रिप्ट सही अभिनेता से मिलती है... ऐसा कभी नहीं होता कि सिर्फ कड़ी मेहनत से ही सफलता मिल जाए।

इस फिल्म से चमकी अमिताभ बच्चन की किस्मत

आप में से जो लोग नहीं जानते,उन्हें बता दें कि जंजीर ने उनके करियर को फर्श से अर्श तक पहुंचा दिया था। इस फिल्म के बाद बॉलीवुड में भी कई तरह के बदलाव देखने को मिले। यह फिल्म इस बात का एक उदाहरण है कि कैसे भाग्य पूरे करियर को बदल सकता है। यह फिल्म आज भी इस बात का सबूत है कि कभी-कभी,सफलता पाने के लिए बुरे समय में भी उम्मीद रखनी चाहिए।

जन्मदिन विशेष

शाहरुख खान के भाई बन कमाई बड़ी शोहरत

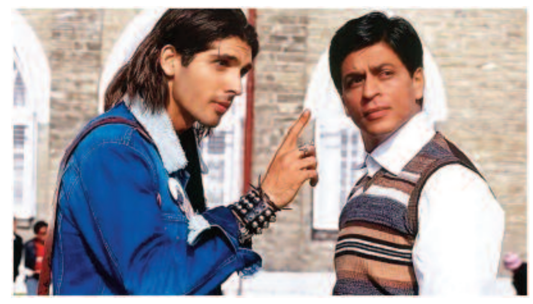

बॉलीवुड एक्टर जायेद खान आज अपना 45 वां जन्मदिन मना रहे है। आज ही के दिन 1980 में जन्मे जायेद खान ने चुरा लिया है तुमने से अपने करियर की शुरुआत की थी। वहीं, डायरेक्टर फराह खान की फिल्म मैं हूं ना में शाहरुख खान के भाई का रोल निभाते नजर आए थे। फराह खान ने इसके साथ निर्देशन में अपनी शुरुआत की थी।

जब जायेद खान को मिला बड़ा ब्रेक

यह कहानी है फिल्म मैं हूं ना की, जिसमें शाहरुख खान और सुष्मिता सेन जैसे बड़े सितारों ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। फिल्म का निर्देशन फराह खान ने किया था, और यह उनका डायरेक्टोरियल डेब्यू भी था। फिल्म में एक अहम किरदार था लकी का – एक कॉलेज बॉय, जो फिल्म में शाहरुख खान के छोटे भाई के रूप में नजर आता है। इस रोल के लिए शुरुआत में फराह खान की नजर बॉलीवुड के तीन सुपरस्टार्स पर थी। हाल ही में ज़ायेद खान ने इस बारे में एक खुलासा किया। उन्होंने सिद्धार्थ कनन को दिए इंटरव्यू में बताया कि सबसे पहले यह रोल ऋतिक रोशन को ऑफर किया गया था। उस दौर में ऋतिक पहले ही सुपरहिट फिल्में दे चुके थे, लेकिन किसी वजह से बात नहीं बनी। इसके बाद ये रोल सोहेल खान को ऑफर हुआ, फिर अभिषेक बच्चन को, लेकिन किसी न किसी कारण से दोनों ने भी इस ऑफर को ठुकरा दिया।

जब किस्मत ने दी दस्तक

ज़ायेद खान ने एक इंटरव्यू में बताया था कि वह उन दिनों एक गाने की शूटिंग कर रहे थे और उसके कोरियोग्राफी के लिए उन्हें फराह खान की मदद चाहिए थी। इसी सिलसिले में उन्होंने फराह को फोन किया। लेकिन बातचीत के दौरान इससे पहले कि वे अपनी बात पूरी करते,फराह खान ने उन्हें ही वो रोल ऑफर कर दिया जिसे पहले तीन बड़े स्टार्स नकार चुके थे। ज़ायेद के अनुसार, उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के उस रोल को स्वीकार कर लिया। और इसके बाद जो हुआ, वो इतिहास है। फिल्म मैं हूं ना जब रिलीज़ हुई,तो ज़ायेद खान की एक्टिंग और उनकी ऑनस्क्रीन प्रेज़ेंस को खूब सराहा गया। युवाओं के बीच वह रातों-रात एक आइकॉन बन गए।

मेहनत से मिली नई पहचान

ज़ायेद खान ने अपने अभिनय और मेहनत के बल पर न केवल अपने परिवार को फिर से आर्थिक स्थिरता दिलाई, बल्कि खुद को भी एक बेहतर अभिनेता के रूप में साबित किया। मैं हूं ना के बाद उन्होंने कई फिल्मों में काम किया और दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। इस कहानी से एक बात साफ होती है – कभी-कभी जो मौके हमें अचानक मिलते हैं,वो हमारी जिंदगी की दिशा पूरी तरह से बदल सकते हैं। ज़ायेद खान की कहानी इस बात की मिसाल है कि अगर हौसला हो और मेहनत करने का जज्बा हो, तो कितनी भी बड़ी बाधाएं क्यों न हों, सफलता जरूर मिलती है।

विधानसभा कार्यवाही को जन-जन तक पहुंचाने में पत्रकार निभाते हैं अहम भूमिका

सीएम साय संसदीय पत्रकारिता विषय पर आयोजित कार्यशाला में हुए शामिल...

» छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा में पत्रकारों के योगदान को सराहा

रायपुर,05 जुलाई 2025(ए)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विधानसभा परिसर के प्रेक्षागृह में संसदीय रिपोर्टिंग विषय पर आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य और विधानसभा के रजत जयंती वर्ष की शुभकामनाएं दीं।

पत्रकार समयबद्धता और सजगता के साथ लोकतंत्र के संवाहक होते हैं : नेता प्रतिपक्ष

कार्यशाला में नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने पत्रकारों की भूमिका को नारद मुनि की परंपरा से जोड़ते हुए कहा कि पत्रकार समयबद्धता और सजगता के साथ लोकतंत्र के संवाहक होते हैं। डॉ. महंत ने कहा कि इस कार्यशाला के माध्यम से सभी को कुछ नया सीखने का अवसर मिलेगा और संसदीय पत्रकारिता को समझने का दायरा और व्यापक होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि यह आयोजन उपयोगी सिद्ध होगा और पत्रकारों के कार्य को नई दिशा देगा। उन्होंने अपनी लंबी संसदीय यात्रा का स्मरण करते हुए कहा कि इस दौरान पत्रकारों के साथ बिताए गए समय और अनुभव अत्यंत मूल्यवान रहे हैं। उन्होंने पत्रकारों की सजगता, सटीकता और संवेदनशीलता की सराहना की,जो वर्षों से संसदीय गतिविधियों को जनता तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।इस अवसर पर संसदीय कार्य मंत्री केदार कश्यप, विधानसभा के सचिव दिनेश शर्मा,आईआईएमसी के पूर्व महानिदेशक संजय द्विवेदी सहित बड़ी संख्या में पत्रकार उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि प्रदेश विधानसभा ने भी 25 वर्षों की गौरवमयी यात्रा पूरी की है और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ किया है। मुख्यमंत्री साय ने बताया कि हाल ही में विधायकों के लिए भी कार्यशालाओं का आयोजन किया गया था, जिसका लाभ हमारे सदस्यों को मिला है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में अनेक नवनिर्वाचित विधायक भी हैं, जिनकी यह जिम्मेदारी है कि वे अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन में उठाएं। इसी तरह पत्रकारों की भी अहम भूमिका है, जो विधानसभा की गतिविधियों को जनता तक पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा कि आप सभी पत्रकार बंधु बड़ी मेहनत से विधानसभा की कार्यवाही को कवर करते हैं, जिससे आमजन यह जान पाते हैं कि विधायकों द्वारा उनके मुद्दों को गंभीरता से उठाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री साय ने छत्तीसगढ़ विधानसभा द्वारा उत्कृष्ट पत्रकारों को सम्मानित करने की परंपरा को भी सराहा और कहा कि इससे पत्रकारों का मनोबल बढ़ता है और संसदीय रिपोर्टिंग को प्रोत्साहन मिलता है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह कार्यशाला पत्रकारों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगी और इसके माध्यम से विधानसभा की गतिविधियां और अधिक प्रभावी रूप से जनता तक पहुंचेंगी।

छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा में पत्रकारों का योगदान अतुलनीय:विधानसभा अध्यक्ष

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने अपने संबोधन में संसदीय पत्रकारिता की महत्ता बताते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ की 25 वर्षों की स्वर्णिम यात्रा में पत्रकारों का योगदान अतुलनीय रहा है। उन्होंने कहा कि संसदीय पत्रकारिता अत्यंत संवेदनशील दायित्व है, जो सदन की गोपनीयता, अनुशासन और गरिमा को बनाए रखते हुए जनता तक सटीक एवं निष्पक्ष जानकारी पहुंचाने का कार्य करती है।

डॉ. सिंह ने कहा कि पत्रकार जब पक्ष विपक्ष से परे रहकर निष्पक्ष रूप से विधानसभा की कार्यवाही का अवलोकन करते हैं और उसे प्रस्तुत करते हैं, तब लोकतंत्र मजबूत होता है। उन्होंने कहा कि संसदीय प्रणाली की गहरी समझ से ही पत्रकार बेहतर ढंग से जनता को विधानसभा की गतिविधियों से अवगत करा सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि संसदीय पत्रकारिता में विशेष रूप से विधानसभा की प्रक्रिया से जुड़े समाचारों को सरल भाषा में प्रस्तुत करना आवश्यक है, ताकि आमजन तक वे प्रभावी ढंग से पहुंच सकें। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. सिंह ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ एवं दिवंगत पत्रकारों का पुण्य स्मरण करते हुए कहा कि प्रदेश की पत्रकारिता परंपरा ने सदैव विधानसभा की गरिमा बनाए रखने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

रावतपुरा मेडिकल कॉलेज रिश्वतकांड

सीबीआई कार्रवाई के बाद राज्य सरकार ने भी शुरू की जांच

रायपुर,05 जुलाई 2025(ए)। रायपुर स्थित रावतपुरा सरकार मेडिकल कॉलेज में सीट बढ़ोतरी के लिए निरीक्षण के दौरान रिश्वतखोरी के मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो की कार्रवाई के बाद अब राज्य सरकार भी सक्रिय हो गई है। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने इस मामले को गंभीरता से लेते हुए चिकित्सा शिक्षा विभाग को जांच के निर्देश दिए हैं।स्वास्थ्य मंत्री के आदेश पर चिकित्सा शिक्षा आयुक्त शिखा राजपूत तिवारी, संचालक डॉ. यूएस पैकरा और पं. जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज रायपुर के डीन डॉ. विवेक चौधरी से विस्तृत रिपोर्ट मांगी गई है। मंत्री ने कॉलेज की पूरी कार्यप्रणाली की भी जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा है। घोटाले में आंबेडकर अस्पताल में पदस्थ सह-प्राध्यापक डॉ. अतिन कुंडू की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है, जो रावतपुरा कॉलेज के निदेशक भी बताए जा रहे हैं। उनके खिलाफ प्रशासनिक लापरवाही को लेकर कार्रवाई प्रारंभ हो चुकी है।

हाई कोर्ट में जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आया बंदी के परिजनों से वसूली का मामला

चीफ जस्टिस ने डीजी जेल से शपथ-पत्र में मांगा जवाब

बिलासपुर,05 जुलाई 2025(ए)। जमानत आवेदन की सुनवाई के दौरान हाई कोर्ट के समक्ष जेल में बंद विचाराधीन बन्दियों के परिवार वालों से जबरन वसूली कर विभिन्न खातों में ऑनलाइन रकम लिए जाने का मामला रखा गया। हाई कोर्ट ने मामले को गंभीरता से लेते हुए डीजी जेल से शपथ पत्र में जवाब मांगा है। आवेदक लुकेश्वरी जोश अब्राहम ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से जेल में निरुद्ध अपने पति की जमानत के लिए याचिका लगाई थी। चीफ जस्टिस रमेश कुमार सिन्हा की सिंगल बैंच में मामले की सुनवाई के दौरान परिजनों से जबरन वसूली करने की बात सामने आई। चीफ जस्टिस ने मामले की गंभीरता को ध्यान में रखते हुए जेल महानिदेशक को जारी निर्देश में कहा है कि कैसे हत्या के मामले में निरुद्ध शख्स की पत्नी (आवेदिका) के साथ जेल में बंद अन्य बंदियों के परिवार के सदस्यों से पैसे की जबरन वसूली करते हुए विभिन्न खातों में राशि जमा करने के लिए मजबूर किया है। राज्य वकील ने कहा कि आवेदक के खाते में भी कुछ राशि जमा की गई है। वहीं समान अपराध में शामिल एक और सह आरोपी की जमानत याचिका को 15 जुलाई 2025 को सूचीबद्ध करने का आदेश दिया है. कोर्ट ने राज्य अधिवक्ता को इस आदेश की एक प्रति महानिदेशक जेल,रायपुर को आवश्यक जानकारी और अनुपालन के लिए भेजने का निर्देश दिया है।

प्रदेश की संक्षिप्त खबरें

रायपुर मेडिकल कॉलेज के एचओडी भागने की फिराक में

रायपुर,05 जुलाई 2025(ए)। पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति मेडिकल कॉलेज की छात्रा ने अपने विभागाध्यक्ष डॉ. आशीष सिन्हा पर सेक्सुअल ह्रासमेंट छेड़छाड़ और मानसिक प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्रा की शिकायत पर मौदहापारा थाने में डॉ. सिन्हा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 74 और 75(2)(3) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई है।

एनआरडीए की जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया रद्द

» हाईकोर्ट ने अवार्ड को बताया अवैध

बिलासपुर,05 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने नया रायपुर विकास प्राधिकरण को एक बड़ा झटका देते हुए उसकी जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया को अवैध करार दिया है। कोर्ट ने स्पष्ट रूप से कहा है कि नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत तय समय सीमा के भीतर मुआवजा अवार्ड नहीं जारी किया गया, इसलिए पूरी अधिग्रहण प्रक्रिया अमान्य मानी जाएगी।

शराब घोटाला मामले में 28 आबकारी अधिकारी तलब

रायपुर,05 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित 2100 करोड़ रुपये के शराब घोटाले में आर्थिक अपराध अन्वेषण शाखा ने शनिवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए न्यायालय में चालान पेश कर दिया है। कांग्रेस शासनकाल के दौरान हुए इस कथित घोटाले में नकली होलोग्राम के जरिए शराब बेचे जाने का आरोप है। मामले में शामिल 28 आबकारी अधिकारियों को कोर्ट ने नोटिस जारी कर तलब किया है

शिक्षक पर निलंबन की गाज

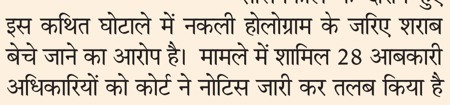

स्कूल में शराब पीकर बच्चों से की थी मारपीट

रायपुर,05 जुलाई 2025(ए)। सरकारी स्कूल में सहायक शिक्षक द्वारा शराब के नशे में स्कूली बच्चों के साथ मारपीट करने का गंभीर मामला सामने आया है। जिसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी ने जांच के आधार पर शिक्षक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शिक्षक बलरामपुर जिले के सोनहत विकासखंड के एक स्कूल में पदस्थ था।

पुलिस अफसर की पत्नी के बर्थडे इवेंट का मामला गरमाया

हाईकोर्ट ने घटना को लेकर लिया स्वतः संज्ञान,सीएस से मांगा शपथ-पत्र...

बिलासपुर,05 जुलाई 2025(ए)। पिछले महीने बलरामपुर जिले में एक पुलिस अफसर की पत्नी द्वारा नीली बत्ती लगी गाड़ी के बोनट पर जन्मदिन मनाने का वीडियो वायरल होने के बाद अब इस मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। कोर्ट ने इसे जनहित याचिका के रूप में स्वीकार किया है और प्रदेश के मुख्य सचिव से शपथ पत्र पर जवाब मांगा है। अब इस मामले की अगली सुनवाई एक सप्ताह बाद होगी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों में नाराजगी देखी गई। वीडियो में देखा गया कि एक महिला, जो डीएसपी तस्लीम आरिफ की पत्नी बताई जा रही है, नीली बत्ती लगी निजी एक्सयूवी 700 कार के बोनट पर बैठकर केक काट रही है और दोस्तों के साथ बर्थडे मना रही है। यह पूरी घटना अंबिकापुर के एक रिसॉर्ट के पास की बताई जा रही है।

वीडियो में साफ दिख रहा है कि गाड़ी कोई अज्ञात व्यक्ति नहीं बल्कि महिला का कोई परिचित ही चला रहा है, फिर भी पुलिस ने एफआईआर में चालक को अज्ञात बताया है। यह बात भी चर्चा का विषय बनी हुई है कि जिस गाड़ी पर नीली बत्ती लगी थी, वह डीएसपी की निजी गाड़ी थी न कि सरकारी वाहन। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने वीडियो को स्वतः संज्ञान में लेते हुए जनहित याचिका की सुनवाई शुरू कर दी है। मुख्य सचिव से पूरे मामले पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा गया है।पुलिस ने बताया है कि वायरल वीडियो में दिख रहे व्यक्ति के खिलाफ धारा 177 (गलत जानकारी देना), 184 (खतरनाक ड्राइविंग) और 281 (सार्वजनिक रास्ते में बाधा डालना) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में विभागीय जांच भी की जाएगी।

हाईस्कूल में छात्रों व पालकों का हंगामा

प्रिंसिपल पर गंभीर आरोप,स्कूल में ताला बंद

गरियाबंद,05 जुलाई 2025(ए)। गरियाबंद ज़िले के छुरा ब्लॉक स्थित अकलवारा हाईस्कूल में शुक्रवार को अभिभावकों और छात्रों का आक्रोश फूट पड़ा। स्कूल के प्राचार्य जेपी वर्मा पर मनमानी करने और छात्राओं से अभद्र व्यवहार के गंभीर आरोप लगाते हुए पालकों ने स्कूल के मुख्य द्वार में ताला जड़ दिया। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं की गई तो आंदोलन और तेज़ किया जाएगा। छात्रों का आरोप है कि 11वीं कक्षा के परीक्षा परिणामों में हेराफेरी की गई है।उनके अनुसार, कई पास छात्रों को जानबूझकर फेल कर दिया गया। इस संबंध में कलेक्टर और जिला शिक्षा अधिकारी से शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। प्राचार्य के रवैये और बच्चों के भविष्य से हो रहे खिलवाड़ को लेकर अभिभावकों में खासा गुस्सा है। सुबह से ही स्कूल गेट के सामने जमकर नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन जारी है।

एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे को आईईडी से उड़ाने वाले कई संदिग्ध गिरफ्तार

रायपुर,05 जुलाई 2025(ए)। एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे शहादत मामले में एसआईए कोंटा से 7 संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। संदेहियों के पास आंध्र प्रदेश के सिमकार्ड से लैस मोबाइल फोन मिले हैं। पूरे मामले की जांच कर रही एसआईए ने जिन संदेहियों को हिरासत लेकर गोपनीय स्थान में पूछताछ कर रही है,उनके मोबाइल फोन से माओवादियों को पुलिस की गतिविधियों की देने की जानकारी मिली है। पूछताछ के जरिए घटना के मास्टरमाइंड तक पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

बम की सूचना पर मचा हड़कंप

छत्तीसगढ़ आ रही ट्रेन को झांसी रेलवे स्टेशन में रोका गया

रायपुर,05 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ सम्पर्क क्रांति में बम की सूचना ने झांसी स्टेशन में हड़कंप मचा दिया. दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन से दुर्ग (छत्तीसगढ़) जाने वाली छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति में देर-रात बम रखे होने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही रेलवे प्रशासन हरकत में आ गया। जिसके बाद ट्रेन को झांसी रेलवे स्टेशन पर रोक दिया गया। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार देर रात दिल्ली कंट्रोल रूम में किसी ने फोन करके ट्रेन में बम होने की सूचना दी जिसके बाद ट्रेन को झांसी में रोका गया। जीआरपी,आरपीएफ समेत भारी संख्या में पुलिस बल झांसी स्टेशन पहुंच गया। इस दौरान अग्निशमन समेत बम निरोधक दस्ते भी मौके पर मौजूद रहे। चेकिंग के लिए पूरी ट्रेन खाली करा दी गई थी। लेकिन ट्रेन में कुछ नहीं मिला। हालांकि एससी कोच बी-वन में तीन डिब्बे लावारिस मिले। राहत की बात ये थी कि इसमें भी कुछ नहीं मिला। यात्रियों के सामान और पूरी ट्रेन की तलाशी लेने के बाद ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया।

देवेंद्र यादव के नेतृत्व में नालंदा में कांग्रेस का जनसैलाब

» छोटे मुखिया ने थामा हाथ

भिलाई,05 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के भिलाई नगर विधायक और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव देवेंद्र यादव का राजनीतिक प्रभाव अब बिहार तक फैलता नजर आ रहा है। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के गृह जिले नालंदा में कांग्रेस को बड़ी मजबूती तब मिली जब नालंदा विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी कौशलेंद्र कुमार उर्फ छोटे मुखिया ने अपने हजारों समर्थकों के साथ कांग्रेस की सदस्यता ली।

बिहारशरीफ स्थित राजेंद्र आश्रम में आयोजित भव्य मिलन समारोह में कांग्रेस का कार्यकर्ता सम्मेलन जनसैलाब में तब्दील हो गया। सभा की अध्यक्षता खुद देवेंद्र यादव ने की। छोटे मुखिया ने कांग्रेस की सदस्यता लेकर अपने समर्थकों को भी पार्टी में शामिल कराया। राजगीर से लेकर बिहारशरीफ तक रास्ते भर उनका पारंपरिक और जोरदार स्वागत हुआ। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए देवेंद्र यादव ने कहा, 2025 के विधानसभा चुनाव में जनता बदलाव के लिए तैयार है। कांग्रेस महागठबंधन के साथ मिलकर नालंदा की सातों सीटों पर जीत दर्ज करेगी। छोटे मुखिया जैसे समर्पित नेता का पार्टी में आना कांग्रेस के लिए सौभाग्य है।

रिश्वत मामले में बुरी तरह फंसा सक्ती का तहसीलदार

सक्ती,05 जुलाई 2025(ए)। जमीन विवाद से जुड़े एक मामले के निपटारे के लिए तहसीलदार के अपने ड्राइवर के फोन पे पर रिश्वत लिए जाने का वीडियो वायरल हुआ था। इस मामले में अब कलेक्टर अमृत विकास तोप्नो ने तहसीलदार को नोटिस जारी कर तीन दिनों के भीतर जवाब मांगा है। बता दें कि सक्ती जिले के जैजैपुर तहसील के तहसीलदार नंदकिशोर सिन्हा ने शिक्षक के पक्ष में आदेश पारित करने के लिए रिश्वत की मांगते हुए वीडियो वायरल हुआ था। वीडियो को देखकर यह लग रहा है कि दिलीप चंद्रा ने ही इसे अपने मोबाइल पर कैद किया है। वीडियो में तहसीलदार का घर दिख रहा है,जहां शिक्षक रिश्वत की रकम देने के लिए गया था। तहसीलदार का कर्मचारी (जिसे ड्राइवर बताया गया है) ने अपने फोन पे खाता पर यह रक़म ली है। कर्मचारी का नाम दुर्गेश सिदार है, जिसके फोन पर रिश्वत की रकम भेजी गई है।

नेशनल पार्क में पुलिस-नक्सली मुठभेड़

बीजापुर,05 जुलाई 2025(ए)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर और दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर स्थित नेशनल पार्क क्षेत्र के घने जंगलों में पुलिस और नक्सलियों के बीच शुक्रवार देर रात से जारी है, जिसमें दोनों ओर से भारी गोलीबारी हो रही है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम को डीआरजी, एसटीएफ और बस्तर फाइटर्स की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान के तहत सर्च ऑपरेशन के लिए नेशनल पार्क क्षेत्र की ओर रवाना हुई थी।इसी दौरान नक्सलियों ने घात लगाकर पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया, जिसके बाद जवाबी कार्रवाई में मुठभेड़ शुरू हो गई। घने जंगल और रात के अंधेरे के कारण मुठभेड़ की स्थिति जटिल बनी हुई है। अभी तक इस मुठभेड़ में हताहतों या नुकसान की कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

8 साल पुराने डॉक्टर दंपति हत्याकांड से उठा पर्दा

पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

कवर्धा,05 जुलाई 2025(ए)। कबीरधाम जिले में साल 2017 में हुए चर्चित डॉक्टर दंपति हत्याकांड का पुलिस ने आखिरकार खुलासा कर दिया है। आठ साल से रहस्य बने इस दोहरे हत्याकांड में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। चौंकाने वाली बात यह है कि आरोपी ने खुद वारदात को अंजाम नहीं देने का इरादा रखा था,लेकिन घटनास्थल पर मौजूद रहने के दौरान उसने न केवल हत्या होते देखी,बल्कि डर के चलते खुद भी हत्यारा बन बैठा।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा साईं ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)